केवल आप के लिये
गांव–गांव शहर–शहर देश दुनियां में अपनों तक पहुंचाना है तो :भारतीय बस्ती दैनिक वेब www.bhartiyabasti.com और उसका छपा संस्करण सबसे बेहतर माध्यम
सम्पर्क–bhartiyabasti@gmail.com
मो0 9450567450| 9336715406

दैनिक
# भारतीय बस्ती

भारतीय बस्ती
www.bhartiyabasti.com
के लिये विज्ञापन बुक कराये।
विचार, प्रचार का सशक्त माध्यम
सम्पर्क
मो0 9336715406
8400925463

भारतीय बस्ती आमंत्रण मूल्य 2रूपया

R.N.I. 38784/81 डाक पंजीकरण सं0 B.S.T 59 बस्ती, वर्ष :47 अंक 242 शनिवार 28 मार्च 2026 (बस्ती संस्करण) बस्ती एवं अयोध्या–फैजाबाद से एक साथ प्रकाशित पृष्ठ :4मूल्यः3.00 रुपया www.bhartiyabasti.com

## एक नजर

### दिनदहाड़े युवक को गोली मारीः बच गई जिन्दगी

–भारतीय बस्ती संवाददाता–

बस्ती। डारीडीहा चौराहे के पास दिनदहाड़े एक युवक को गोली मार दी गई। घायल युवक खुद बाइक चलाकर एक निजी अस्पताल पहुंचा, जहां उसे प्राथमिक उपचार दिया गया। युवक खून से लथपथ हालत में अस्पताल पहुंचा और डॉक्टरों को बताया कि उसे हल्की चोट लगी है। हालांकि, जांच के दौरान उसकी जींस पैंट में बुलेट फंसी मिली, जिससे मामले की गंभीरता सामने आई।परिजनों को सूचना मिलने पर वे अस्पताल पहुंचे और युवक की हालत देखकर पुलिस को जानकारी दी।

मौके पर पहुंची पुलिस ने घायल युवक को बेहतर इलाज के लिए जिला अस्पताल भेजा।सीओ सदर सत्येंद्र भूषण तिवारी ने बताया कि डायल 112 पर सूरज शर्मा नामक युवक को गोली लगने की सूचना मिली थी। पुलिस टीम ने घायल से पूछताछ की। युवक ने बताया कि वह अपने दोस्त प्रिंस यादव से मिलने गया था। वहां किसी बात को लेकर विवाद हुआ और छीना–झपटी के दौरान उसके दाहिने पैर की जांघ में गोली लग गई। सीओ तिवारी ने यह भी बताया कि घायल की हालत खतरे से बाहर है और घटना के कारणों की जांच की जा रही है।

### गांजा के साथ युवक गिरफ्तार

–भारतीय बस्ती संवाददाता–

बस्ती। पुलिस ने शुक्रवार को अवैध मादक पदार्थ की तस्करी करते हुए एक युवक को गिरफ्तार किया। पुलिस ने उसके कब्जे से 920 ग्राम गांजा बरामद किया है। यह कार्रवाई कप्तानगंज थाना क्षेत्र में की गई।

जानकारी के अनुसार, दोपहर करीब 2.30 बजे थानाध्यक्ष आलोक कुमार श्रीवास्तव के नेतृत्व में पुलिस टीम ग्राम सरैया मिश्र से नगर बाजार मुख्य सड़क मार्ग पर चेकिंग कर रही थी। इसी दौरान, स्कूटी से आ रहे बलवन्त पाण्डेय (उम्र करीब 21 वर्ष) को संदिग्ध हालत में रोका गया।

बलवन्त पाण्डेय पुत्र ओमप्रकाश पाण्डेय, निवासी कटरूआ दलथम्मन सिंह, थाना नगर बाजार, जनपद बस्ती का रहने वाला है। तलाशी लेने पर उसके पास से 920 ग्राम अवैध गांजा बरामद हुआ। पुलिस ने बलवन्त पाण्डेय को तुरंत गिरफ्तार कर लिया। घटना में प्रयुक्त स्कूटी को भी जब्त कर लिया गया है। अभियुक्त के खिलाफ थाना कप्तानगंज में मु०अ०सं० 68ध्2026, धारा 8ध्20 छक्वै एक्ट के तहत मुकदमा दर्ज किया गया है। उल्लेखनीय है कि अभियुक्त बलवन्त पाण्डेय का आपराधिक इतिहास रहा है। वह पूर्व में भी थाना कप्तानगंज में मु०अ०सं० 198/2024, धारा 115(2)/351(3)/352 बीएनएस के तहत अभियुक्त रह चुका है।

गिरफ्तारी करने वाली पुलिस टीम में थानाध्यक्ष आलोक कुमार श्रीवास्तव, उपनिरीक्षक अनिल कुमार त्रिपाठी, मुख्य आरक्षी गणेश सिंह और मुख्य आरक्षी प्रदीप सिंह शामिल थे। बस्ती के पुलिस अधीक्षक ने इस सफल कार्रवाई के लिए टीम की सराहना की है।

# युद्ध के बीच पाकिस्तान पर भड़का ईरान

तेल अबीब/ तेहरान (आभा)। पड़ोसी देश पाकिस्तान दावा करता रहा है कि वह पश्चिम एशिया में चल रहे तनाव और ईरान–अमेरिका जंग में सीजफायर के लिए मध्यस्थता करा रहा है। एक दिन पहले ही अमेरिकी कैबिनेट में भी राष्ट्रपति डोनाल्ड ट्रंप के विशेष दूत स्टीव विटकॉफ ने पुष्टि किया कि पाकिस्तान ही अमेरिका और ईरान के बीच चल रही बातचीत में मध्यस्थ की भूमिका निभा रहा है लेकिन अब तेहरान इस्लामाबाद पर भड़क गया है। ईरान ने पाकिस्तान पर धोखा देने के आरोप लगाए हैं। खुफिया सूत्रों के मुताबिक, ईरान अब पाकिस्तान की भूमिका को "डबल गेम" के रूप में देख रहा है, खासकर स्ट्रेट ऑफ होर्मुज से जुड़े नए घटनाक्रम के बाद। इससे ईरान–पाकिस्तान के रिश्तों में दरार के संकेत सामने आ रहे हैं।

दरअसल, यह विवाद होर्मुज स्ट्रेट से तेल के जहाजों के गुजरने से जुड़ी घटनाओं के बाद उपजा है। ईरान ने हाल ही में होर्मुज स्ट्रेट से भारत समेत अन्य मित्र देशों के तेल–गैस टैंकर लदे जहाजों को गुजरने का इजाजत दी थी। इसी के तहत ईरान ने अपने पुराने दोस्त पाकिस्तान के जहाजों को भी ये सुविधा दी थी लेकिन पाकिस्तान ने ट्रंप के दबाव में आकर 10 अमेरिकी जहाजों पर पाकिस्तानी झंडा लगवाकर उसे होर्मुज स्ट्रेट से पार करवा दिया। इस हरकत से तेहरान इस्लामाबाद पर भड़क उठा है। अब ईरान मध्यस्थ पाकिस्तान की असली वफादारी पर सवाल उठा रहा है। ऐसे में पाकिस्तान चापलूसी, चालाकी, दलाली और वफादारी के खेल में फंस गया है। ईरान उसे धोखेबाज करार दे रहा है।

दूसरी तरफ, डोनाल्ड ट्रंप ने खुले तौर पर दावा किया है कि 10 अमेरिकी जहाज पाकिस्तानी झंडा लाकर होर्मुज स्ट्रेट से पार कर गए हैं। अमेरिका जहां इसे अपनी कूटनीतिक जीत बता रहा है, वहीं ईरान दोस्ती की आड़ में ठगा हुआ और धोखा खाया हुआ महसूस कर रहा है। खुफिया सूत्रों का कहना है कि जिन पाकिस्तानी जहाजों को होर्मुज से गुजरने की अनुमति दी गई थी, उनका इस्तेमाल या समन्वय इस तरह से किया गया था कि अंततः उससे अमेरिका को ही फायदा होना था।

## पीएम मोदी करेंगे जेवर एयरपोर्ट का उद्घाटन

नोएडा (आभा)। प्रधानमंत्री नरेंद्र मोदी शनिवार को उत्तर प्रदेश के जेवर में नोएडा अंतर्राष्ट्रीय एयरपोर्ट के प्रथम चरण का उद्घाटन करेंगे। करीब 11,200 करोड़ रुपये की लागत से विकसित इस महत्वाकांक्षी परियोजना से प्रदेश ही नहीं, बल्कि पूरे देश की कनेक्टिविटी और आर्थिक गतिविधियों को नई रफ्तार मिलने की उम्मीद है। ग्रेटर नोएडा जेवर स्थित नोएडा इंटरनेशनल एयरपोर्ट का पहला चरण शुरू होने के साथ ही पश्चिमी उत्तर प्रदेश, दिल्ली–एनसीआर और आसपास के क्षेत्रों को सीधी अंतरराष्ट्रीय कनेक्टिविटी मिलेगी। इससे न केवल यातायात का दबाव कम होगा, बल्कि बिजनेस, निवेश, पर्यटन और रोजगार के नए अवसर भी खुलेंगे।

## चैत्र रामनवमी पर निकली ज्योति यात्रा

–भारतीय बस्ती संवाददाता–

बस्ती। चैत्र रामनवमी के अवसर पर नगर पंचायत रूधौली क्षेत्र में एक ज्योति यात्रा निकाली गई। कार्यक्रम का शुभारंभ आयोजक राजकुमार सोनी ने नारियल तोड़कर किया। यात्रा के दौरान डीजे और भांगड़े की धुन पर महिला एवं पुरुष श्रद्धालु झूमते हुए नजर आए। इस दौरान देशभक्ति के नारे भी लगाए गए, जिससे माहौल भक्तिमय हो गया।

यह यात्रा महादेव सिंह मार्ग पर स्थित अष्टभुजी में विजय भवानी के मंदिर से प्रारंभ हुई। इसके बाद यह बस्ती बांसी मार्ग, बखिरा मार्ग और बुद्धि बाजार से होते हुए वापस महादेव सिंह मार्ग पर स्थित मंदिर में ही समाप्त हुई ।ज्योति यात्रा में भाजपा जिला उपाध्यक्ष रवि प्रताप सिंह, दिनेश चौरसिया, राहुल गुप्ता, कृष्ण कुमार गुप्ता, पंडित दुर्गा प्रसाद मिश्र, सुरेश कसौधन, डब्लू सोनी, राहुल पांडेय, अमरनाथ साहू, राज कपूर अग्रहरि, अनूप जायसवाल, अजीत गुप्ता सहित बड़ी संख्या में महिलाएं और अन्य श्रद्धालु शामिल रहे।

## कार ने मारी टक्करः पंचर बनाने वाले दुकानदार की मौत

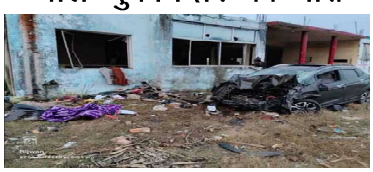

–भारतीय बस्ती संवाददाता–

बस्ती। बस्ती से अयोध्या की ओर जा रही एक तेज रफ्तार कार अनियंत्रित होकर सड़क किनारे स्थित पंचर की दुकान में जा घुसी। हादसे में गंभीर रूप से घायल दुकानदार की इलाज के दौरान मौत हो गई। घटना शुक्रवार सुबह करीब 5 बजे राष्ट्रीय राजमार्ग–27 पर ग्राम खैरी ओझा, थाना हरैया क्षेत्र में हुई। यहां एक ढाबे के सामने स्थित पंचर की गुमटी में बिहार के भागलपुर जनपद के कमलचट गांव निवासी मंजीत यादव (पुत्र कविलास यादव) सो रहे थे। तभी गोरखपुर से अयोध्या जा रही तेज रफ्तार कार नियंत्रण खो बैठी और सीधे गुमटी में टकरा गई।टक्कर इतनी जबरदस्त थी कि गुमटी पूरी तरह क्षतिग्रस्त हो गई और पास खड़ी मोटरसाइकिल को कार काफी दूर तक घसीटते हुए ले गई। हादसे में मंजीत यादव गंभीर रूप से घायल हो गए। स्थानीय लोगों की मदद से पुलिस ने उन्हें सामुदायिक स्वास्थ्य केंद्र हरैया पहुंचाया, जहां से हालत गंभीर देखते हुए जिला अस्पताल बस्ती रेफर किया गया। इलाज के दौरान उनकी मौत हो गई।बताया जा रहा है कि कार में लगे एयरबैग खुलने से चालक को मामूली चोटें आईं। घटना के बाद मौके पर अफरा–तफरी मच गई। पुलिस ने कार को कब्जे में लेकर आगे की जांच शुरू कर दी है।

## रामनवमी पर उमड़ी आस्थाः नदियों में स्नान मंदिरों हुआ हवन पूजन

–भारतीय बस्ती संवाददाता–

बस्ती। चैत्र रामनवमी पर शहर से लेकर ग्रामीण क्षेत्र में श्रद्धालुओं ने हवन पूजन किया तो नदियों में स्नान कर दान किया। गोदान कर लोक परलोक की मंगल कामना की। गायत्री शक्ति पीठ रोडवेज, काली मंदिर आवास विकास, काली मंदिर रेलवे स्टेशन, बैड़ा समय माता, बलुआ समय माता, कोहले समय माता मंदिर सहित जिले के अन्य देवी स्थानों पर हवन हुआ। श्रद्धालुओं ने हवन के बाद प्रसाद वितरण कर नवरात्र के व्रत को पूरा किया। इसके साथ जगह–जगह कन्या पूजन हुआ। सरयू नदी किनारे धोबहट घाट पर काफी संख्या में पहुंचे श्रद्धालुओं ने स्नान किया तो मनवर नदी के कई घाटों सहित कुआनों में भी स्नान कर दान दिया।

# पीएम मोदी ने मुख्यमंत्रियों के साथ किया स्थिति की समीक्षा

नई दिल्ली (आभा)। प्रधानमंत्री नरेंद्र मोदी पश्चिम एशिया में चल रहे संघर्ष और होर्मुज जलडमरूमध्य के अवरोध से उत्पन्न वैश्विक संकट के मद्देनजर भारत की ईंधन और ऊर्जा आपूर्ति को लचीला बनाए रखने और तैयारियों की समीक्षा करने के लिए मुख्यमंत्रियों के साथ एक वर्चुअल बैठक किया।

यह बैठक नरेंद्र मोदी द्वारा पश्चिम एशिया में चल रहे संकट के भारत पर दीर्घकालिक प्रभाव पड़ने की चेतावनी के कुछ दिनों बाद हो रही है। उन्होंने छह साल पहले की कोविड–19 महामारी का भी जिक्र किया और इस बात पर जोर दिया कि केंद्र और राज्य सरकारों को उस दौरान की तरह ही मिलकर काम करना होगा। उन्होंने महामारी के दौरान दिखाई गई 'टीम इंडिया' की भावना को याद करते हुए कहा कि मैं सभी राज्य सरकारों से अपील करता हूं कि वे आवश्यक वस्तुओं की निर्बाध आपूर्ति सुनिश्चित करने के लिए विशेष व्यवस्था करें।

# श्रद्धालुओं की भरी पिकअप ट्राला से टकराई, आठ की मौत, 17 घायल

कौशाम्बी (आभा)। जिले में शुक्रवार को बड़ा हादसा हो गया। पिकप पर सवार होकर फतेहपुर जिले के बड़ोखर इलाके से बच्चे का मुंडन कराने प्रयागराज संगम आए थे। लौटते समय इनकी गाड़ी सैनी थाना क्षेत्र में डोरमा पेट्रोल पंप के पास सड़क किनारे खड़े ट्राले से टकरा गई। हादसे में 8 लोगों की मौत गई, जबकि 17 श्रद्धालु घायल हो गए। मृतकों में तीन बच्चे, तीन महिला और दो पुरुष शामिल हैं।

कानपुर–प्रयागराज हाईवे पर शुक्रवार को दर्दनाक सड़क हादसे में आठ लोगों की मौत हो गई। हादसे में 17 श्रद्धालु घायल हो गए है। सैनी थाना क्षेत्र के डोरमा पेट्रोल पंप के समीप उस समय हुआ जब सड़क किनारे खड़े ट्राला में पीछे से तेज रफ्तार पिकअप अनियंत्रित होकर जा भिड़ी। टक्कर इतनी जबरदस्त थी कि पिकअप के परखचे उड़ गए और उसमें सवार यात्रियों में चीख–पुकार मच गई। मृतकों में तीन बच्चे, तीन महिला और दो पुरुष शामिल हैं।

बताया जा रहा है कि पिकअप में करीब 25 लोग सवार थे, जिनमें महिलाएं और बच्चे भी शामिल थे। सभी लोग फतेहपुर जिले के मलवां क्षेत्र के बड़ोखर गांव के रहने वाले बताए जा रहे हैं। वे लोग रामनवमी के अवसर पर बच्चे का मुंडन कराने के लिए प्रयागराज आए थे। यहां संगम स्नान और मुंडन संस्कार कराने के बाद पिकप से फतेहपुर लौट रहे थे कि सैनी इलाके में हादसा हो गया। घटना दोपहर बाद करीब पौने चार बजे हुई।

घटना के बाद मौके पर अफरा–तफरी मच गई। सड़क पर घायलों की चीख–पुकार सुनकर स्थानीय लोग मदद के लिए दौड़ पड़े और पुलिस को सूचना दी। सूचना मिलने पर पुलिस और स्वास्थ्य विभाग की टीम मौके पर पहुंची। घायलों को अस्पताल भेजने के लिए चार एंबुलेंस लगाई गईं। घायलों को अस्पताल ले जाते समय सात लोगों की मौत हो गई, जबकि अन्य का इलाज जारी है। हादसे के कारण कुछ देर तक हाईवे पर जाम की स्थिति बनी रही। पुलिस मामले की जांच में जुटी है।

## श्रीराम का आदर्श पूरे विश्व के लिए प्रेरणास्रोत

–भारतीय बस्ती संवाददाता–

बस्ती। रामनवमी के अवसर पर स्वामी दयानंद विद्यालय, सुरतीहट्टा में एक यज्ञ का आयोजन किया गया। इस अवसर पर आर्य समाज नई बाजार बस्ती के प्रधान ओम प्रकाश आर्य ने कहा कि मर्यादा पुरुषोत्तम श्रीराम का आदर्श पूरे विश्व के लिए प्रेरणास्रोत है।

ओम प्रकाश आर्य ने बताया कि श्रीराम युगपुरुष, आदर्श राजा, ईश्वरभक्त, मातृ–पितृ भक्त, आदर्श भाई, पुत्र, शिष्य और प्रजापालक थे। वे धर्म का साक्षात् रूप थे। उनके चरित्र का अनुकरण करना पूरे विश्व के लिए गौरव का विषय है।

यज्ञ का संचालन योगाचार्य गरुण ध्वज पाण्डेय ने किया। उन्होंने बच्चों को श्रीराम के जीवन के बारे में बताते हुए कहा कि धर्म का साक्षात् स्वरूप देखने के लिए वाल्मीकि रामायण का अध्ययन करना चाहिए। उन्होंने यह भी बताया कि श्रीराम का चरित्र एक आदर्श धर्मात्मा का जीवन चरित्र है और महर्षि दयानंद ने आर्य समाज की स्थापना कर श्रीरामचंद्र जी के काल में प्रचलित धर्म व संस्कृति को ही प्रसारित किया।

प्रधानाध्यापक आदित्य नारायण गिरि ने बच्चों को संबोधित करते हुए कहा कि मर्यादा पुरुषोत्तम श्रीराम ने मानव समाज के लिए आदर्श व्यवहार की मर्यादाएं स्थापित कीं। वे लगभग नौ लाख वर्ष पूर्व त्रेतायुग के अंत में हुए थे। उनके समकालीन महर्षि वाल्मीकि ने रामायण में उन्हें धर्म का उन्नायक और अधर्म का विनाशक बताया है। गिरि ने आगे कहा कि धर्म की रक्षा के लिए श्रीराम ने राज्य का त्याग किया और अधर्म के विनाश के लिए श्रीलंका जाकर असुरों को नष्ट किया। उन्होंने धर्मात्मा विभीषण को राज्य देकर एक अनूठा उदाहरण प्रस्तुत किया। आज रामनवमी पूरे विश्व में मनाई जाती है और श्रीराम का आदर्श अमर है। इस कार्यक्रम में विद्यालय के शिक्षक, शिक्षिकाएं और बच्चे उपस्थित रहे।

# पॉली हाउस योजना में फंसे 42 लाख, किसान ने उद्यान विभाग के साथ फर्म पर लगाए गंभीर आरोप

–तीन साल बाद भी परियोजना अधूरी

–भारतीय बस्ती संवाददाता–

बस्ती। देशभर में किसानों की आय बढ़ाने के उद्देश्य से चलाई जा रही एकीकृत बागवानी विकास मिशन पर उत्तर प्रदेश के बस्ती जनपद से गंभीर सवाल खड़े हुए हैं। यहां एक किसान ने आरोप लगाया है कि पॉलीहाउस स्थापना में अनुदान का झांसा देकर उससे लाखों रुपये वसूले गए, लेकिन तीन साल बाद भी परियोजना अधूरी है और जिम्मेदारों पर कोई कार्रवाई नहीं हुई।

कप्तानगंज विकास खंड के बढ़नी गांव निवासी किसान आलोक रंजन वर्मा का कहना है कि एकीकृत बागवानी विकास मिशन के तहत वर्ष 2023 में उन्हें 4000 वर्ग मीटर क्षेत्र में हाईटेक पॉलीहाउस स्थापित करने के लिए योजना के तहत चुना गया। परियोजना की कुल लागत लगभग 58 लाख रुपये आंकी की गई, जिसमें 50 प्रतिशत अनुदान का आश्वासन दिया गया था।

किसान के अनुसार, उद्यान विभाग की ओर से नैतिक एग्री नामक फर्म को कार्यदायी संस्था नियुक्त किया गया। आरोप है कि फर्म ने बैंक के माध्यम से अलग–अलग किस्तों में करीब 42 लाख रुपये वसूल लिए, लेकिन आज तक पॉलीहाउस का निर्माण पूरा नहीं किया गया। अब फर्म के प्रतिनिधि संपर्क में भी नहीं हैं।

मामले में सबसे बड़ा सवाल विभागीय जवाबदेही को लेकर उठ रहा है। किसान का आरोप है कि उसने कई बार जिला उद्यान अधिकारी और मंडलीय स्तर के अधिकारियों से शिकायत की, लेकिन तीन साल में भी न तो जांच पूरी हुई और न ही फर्म के खिलाफ कोई ठोस कार्रवाई हुई। इससे विभाग और फर्म के बीच संभावित मिली भगत की आशंका जताई जा रही है।

पॉलीहाउस में जरबेरा जैसी व्यावसायिक फसल उगाने की तैयारी में किसान पहले ही भारी निवेश कर चुका है। खेत में गोबर की खाद, लगभग 50 क्विंटल नीम खली और अन्य पोषक तत्व डाले जा चुके हैं। अब निर्माण अधूरा होने के कारण खेती शुरू नहीं हो पा रही है, जबकि खेत में अत्यधिक खरपतवार उग आने से अतिरिक्त खर्च बढ़ गया है। किसान का कहना है कि जब तक फर्म द्वारा कार्य पूर्ण कर आधिकारिक रसीद नहीं दी जाती, तब तक अनुदान की राशि जारी नहीं होगी। ऐसे में उसकी पूरी पूंजी फंसी हुई है और आजीविका पर संकट गहरा गया है।

# योगदान के लिये प्राथमिक शिक्षक संघ जिलाध्यक्ष उदयशंकर शुक्ल सम्मानित

–भारतीय बस्ती संवाददाता–

बस्ती। अखिल भारतीय प्राथमिक शिक्षक संघ द्वारा बस्ती जनपद के उत्तर प्रदेशीय प्राथमिक शिक्षक संघ जिलाध्यक्ष उदय शंकर शुक्ल को उनके सांगठनिक योगदान और शिक्षक हितों के लिये निरन्तर संघर्ष को देखते हुये नई दिल्ली के जनकपुरी स्थित राष्ट्रीय कार्यालय पर आयोजित बैठक में अंग वस्त्र भेंटकर सम्मानित किया गया।

शिक्षक संघ के राष्ट्रीय संरक्षक सांसद जगदम्बिका पाल और राष्ट्रीय अध्यक्ष सुशील कुमार पाण्डेय ने माला पहनाकर अंग वस्त्र देकर उदय शंकर शुक्ला को सम्मानित किया । कहा कि वे संघर्षशील शिक्षक नेता है और पुरानी पेंशन बहाली के साथ ही टेट के नियमों को वापस कराने के लिये जिस तरह से अपना रचनात्मक संघर्ष जारी रखा है ऐसा काम विरले लोग कर पाते हैं। उन्होने शिक्षक हितों के लिये अपना पूरा जीवन दांव पर लगा दिया है।

सम्मानित होने के बाद उत्तर प्रदेशीय प्राथमिक शिक्षक संघ जिलाध्यक्ष उदय शंकर शुक्ल ने कहा कि उनका पूरा जीवन शिक्षक हितों के लिये समर्पित है। जीवन के आखिरी क्षण तक वे शिक्षक हितों के लिये अपना संघर्ष जारी रखेंगे।

बैठक में अनेक राज्यों के पदाधिकारी शामिल रहे । राष्ट्रीय अध्यक्ष घोषित होने के बाद राष्ट्रीय कार्यालय पर प्रथम बैठक सुशील कुमार द्वारा आयोजित किया गया था जिसमें राष्ट्रीय संरक्षक सांसद जगदंबिका पाल ,अनुज त्यागी नरेश कौशिक गिरीश शर्मा सहित विभिन्न राज्यों के पदाधिकारियों ने उदयशंकर शुक्ल को सम्मानित किये जाने पर प्रसन्नता व्यक्त किया।

## –पुरानी पेंशन बहाली, टेट के सवाल पर जारी रहेगा रचनात्मक सहयोग–जगदम्बिका पाल

अपने स्तर से हर संभव पहल करेंगे।

राष्ट्रीय संरक्षक जगदम्बिका पाल ने कहा कि उदयशंकर शुक्ल ने शिक्षकों की समस्याओं के लिये जिस तरह से अपना रचनात्मक संघर्ष जारी रखा है ऐसा काम विरले लोग कर पाते हैं। उन्होने शिक्षक हितों के लिये अपना पूरा जीवन दांव पर लगा दिया है।

सम्मानित होने के बाद उत्तर प्रदेशीय प्राथमिक शिक्षक संघ जिलाध्यक्ष उदय शंकर शुक्ल ने कहा कि उनका पूरा जीवन शिक्षक हितों के लिये समर्पित है। जीवन के आखिरी क्षण तक वे शिक्षक हितों के लिये अपना संघर्ष जारी रखेंगे।

बैठक में अनेक राज्यों के पदाधिकारी शामिल रहे । राष्ट्रीय अध्यक्ष घोषित होने के बाद राष्ट्रीय कार्यालय पर प्रथम बैठक सुशील कुमार द्वारा आयोजित किया गया था जिसमें राष्ट्रीय संरक्षक सांसद जगदंबिका पाल ,अनुज त्यागी नरेश कौशिक गिरीश शर्मा सहित विभिन्न राज्यों के पदाधिकारियों ने उदयशंकर शुक्ल को सम्मानित किये जाने पर प्रसन्नता व्यक्त किया।

*"मुझे अखबार निकालने दो तो मैं इस बात की परवाह नहीं करता कि कौन धर्म का नियामक है और कौन कानून का निर्माता"—वेडेल फिलिप्स*

दैनिक
भारतीय बस्ती
बस्ती 28 मार्च 2026 शनिवार

## सम्पादकीय

# युद्ध का बढता दायरा

पश्चिम एशिया में जारी युद्ध चौथे सप्ताह में प्रवेश कर गया है और अभी इस पर विराम लगने के कोई आसार भी नहीं दिखते। देखा जाए तो यह युद्ध पश्चिम एशिया में किसी सामान्य सैन्य टकराव के बजाय, दबाव और कूटनीति की चिरपरिचित जुगलबंदी को दर्शाता है। अमेरिका लंबे समय से ईरान के प्रति ये तौर–तरीके आजमाता आया है। यह युद्ध उन्हीं का विस्तार दिखता है। बड़ी–बड़ी घोषणाओं को लेकर खास पहचान बना चुके अमेरिकी राष्ट्रपति डोनाल्ड ट्रंप ने वैसे तो समग्र समाधान के संकेत दिए हैं, लेकिन यह भी सच है कि युद्ध को लेकर रेखाएं धुंधली होती जा रही हैं।

इस धुंधलके में युद्ध की मंशा और परिणाम, दोनों अस्पष्ट हैं। अमेरिका ने ईरान के समक्ष कुछ बिंदुओं को लेकर पहले से ही दबाव बनाया हुआ था। जैसे यूरेनियम संवर्धन पर रोक के साथ ही समूचे परमाणु कार्यक्रम पर विराम और अपने पोषित छद्म संगठनों के ढांचे को ध्वस्त करना। ये ऐसी शर्तें थीं, जिन पर ईरान कभी सहमत नहीं होता। इसके बाद युद्ध का विकल्प ही शेष था, जिसकी पहल इजरायल ने की और अमेरिका ने समर्थन किया।

यह एक पारंपरिक उकसावे वाले क्रम को ही रेखांकित करता है, जिसमें पहले कूटनीति को अल्टीमेटम के रूप में पेश किया जाता है और फिर उसी को सैन्य कार्रवाई का आधार बनाया जाता है। दूसरी ओर, ईरान ने अपनी परमाणु महत्वाकांक्षा को तो खारिज किया है, पर क्षेत्र में अपनी भूमिका को विस्तार देने की उसकी महत्वाकांक्षाएं और निरंतर बढ़ती क्षमताएं कुछ संदेह पैदा करने वाली भी रहीं।

युद्ध को लेकर बढ़ती अनिश्चितता में ट्रंप के तेवर भी बदलते दिख रहे हैं। ट्रंप ने 23 मार्च को एलान किया कि ईरान के साथ 'बहुत अच्छी और उत्पादक बातचीत' हुई। इससे पहले उन्होंने ईरान के ऊर्जा ठिकानों पर हमले के लिए एक अल्टीमेटम दिया था और फिर उक्त बातचीत का हवाला देकर उसे पांच दिनों के लिए टालने की बात भी कही। हालांकि ईरान ने ट्रंप की वार्ता के इस दांव को नकारने में देर नहीं की। ईरान अमेरिका के 15 सूत्रीय एजेंडे को खारिज भी कर चुका है और अपनी पांच स्पष्ट मांगें भी सामने रख चुका है। इस सिलसिले का चाहे जो नतीजा निकले, पर अमेरिका ने बार–बार यही दोहराया है कि ईरान को किसी भी कीमत पर परमाणु हथियार हासिल नहीं करने दिए जाएंगे। यह दोहराव कूटनीति को एक निश्चित उद्देश्य के साथ जोड़ देता है। इस सबके बीच इन वार्ताओं के इर्दगिर्द बन रहा माहौल भी एक उल्लेखनीय पहलू है। जैसे पाकिस्तान के एक मध्यस्थ के रूप में सामने आने की अटकलें और ईरानी संसद के स्पीकर से लेकर ट्रंप के विशेष प्रतिनिधियों के बीच इस्लामाबाद में संभावित बैठक।

पता नहीं इसमें कितनी सच्चाई है, पर यह तो तय है कि कूटनीतिक विकल्पों की संभावनाएं तलाशी जरूर जा रही हैं। इसमें सभी खेमों की बयानबाजी दबाव बनाने और उसकी काट के रूप में ही देखी जा सकती है। मौजूदा परिदृश्य ट्रंप की चिरपरिचित शैली से मेल खाता है, जिसमें वे अधिकतम दबाव के जरिये सौदेबाजी को प्राथमिकता देते हैं। दबाव की इसी रणनीति के तहत ईरान को लंबे समय से अस्थिरता फैलाने वाले देश के रूप में पेश किया जाता रहा है। खासतौर से उसकी परमाणु क्षमताओं और उसके रूप में इजरायल के अस्तित्व पर सदा मंडराते खतरे को। इस आख्यान में सैन्य कार्रवाई रक्षात्मक एवं आक्रामक, दोनों कसौटियों पर खरी बताई जाती है। एक तो ईरान को दंडित करना और दूसरा उसकी क्षमताओं को इतना कुंद कर देना कि उसके पास बातचीत के अलावा और कोई विकल्प शेष ही न बचे। इसके बाद किसी संभावित समझौते को सदाशयता के रूप में चित्रित किया जाता है, पर इसमें ईरान के लिए विकल्प नहीं बचते।

किसी संभावित वार्ता में यदि समृद्ध यूरेनियम को हटाने का मुद्दा आता है तो संप्रभुता का सवाल भी आड़े आएगा। इस पर भी सवाल उठेंगे कि क्या ऐसा किया जाना संभव भी होगा। लगता नहीं कि तेहरान में इस पर सहमति बन पाएगी। ईरान द्वारा औपचारिक वार्ताओं से साफ इन्कार संदेह और तनाव दोनों को उजागर करता है। वार्ता को लेकर इजरायल को यह डर सता रहा है कि तनाव घटने से उन उपलब्धियों का महत्व भी घट जाएगा, जिन्हें बड़ी कठिनाई से हासिल किया गया है।

यदि ऐसा कोई ढांचा अस्तित्व में आता है तो यकीनन उसके दूरगामी प्रभाव होंगे। इससे ईरान के परमाणु कार्यक्रम पर पूरी तरह पर्दा पड़ने के साथ ही उसके छद्म संगठनों पर लगाम लग जाएगी। परिणामस्वरूप क्षेत्रीय शक्ति संतुलन में बड़ा बदलाव आ सकता है। होर्मुज जलमार्ग के खुलने होने से ऊर्जा बाजार में स्थिरता आ सकती है और वैश्विक अर्थव्यवस्था को कुछ राहत की सांस मिलेगी। वाशिंगटन के लिए भी यह लंबे सैन्य हस्तक्षेप के बोझ से मुक्ति के साथ ही अपने लक्ष्य पूर्ति का पड़ाव बन जाएगा। परमाणु अप्रसार को लेकर उसकी विश्वसनीयता और प्रयासों को प्रतिष्ठा मिलेगी। इसके अपने जोखिम भी हैं। ईरान की अपनी एक विशिष्ट रणनीतिक संस्कृति है। दबाव के बीच भी दृढ़ता इस संस्कृति की विशेषता है। अगर उसे ऐसा लगता है कि किसी भी तरह का संघर्ष विराम अस्थायी एवं रणनीतिक है तो बातचीत बिगड़ सकती है।

इसका नतीजा प्रमुख ऊर्जा ठिकानों पर हमले के रूप में सामने आ सकता है। इससे पूरे क्षेत्र में अस्थिरता बढ़ेगी और ऊर्जा संसाधनों की कीमतों का रुख परेशानी बढ़ाएगा। अगर रणनीतिक बढ़त को लेकर अमेरिका एवं इजरायल के बीच असहमति बढ़ती है तो उनके समीकरण भी बदलेंगे। अब जो परिदृश्य आकार ले रहा है, वह शांति के बजाय यही दर्शाता है कि आने वाले दिनों में संघर्ष अन्य स्वरूपों में जारी रहेगा। तमाम तरह के कूटनीतिक प्रस्तावों के जरिये ट्रंप सामरिक मोर्चे पर मिली बढ़त को कूटनीतिक परिणामों में बदलने का प्रयास कर रहे हैं। क्या बातचीत की ऐसी पेशकश पश्चिम एशिया से जुड़े सभी समीकरणों को नए सिरे से तय करने का काम करेगी या यह फिर यह एक अस्थायी विराम होगा? इसकी नियति केवल बयानबाजी से नहीं, बल्कि इरादों से तय होगी, जिसमें भरोसे की बड़ी अहमियत होने वाली है।

# धर्म और जाति को लेकर आए सुप्रीम आदेश का निहितार्थ

—कमलेश पाण्डेय—

सुप्रीम कोर्ट ने अपने एक अहम फैसले में यह स्पष्ट कर दिया है कि यदि कोई व्यक्ति हिंदू, सिख और बौद्ध धर्म से बाहर जाकर धर्म परिवर्तन करता है, तो उसे अनुसूचित जाति का सदस्य नहीं माना जा सकता। दरअसल, आंध्र प्रदेश के एक धर्मांतरित ईसाई पादरी से जुड़े मामले में आए इस नवीनतम फैसले के व्यापक राजनीतिक और सामाजिक मायने हैं। इससे हिन्दू समुदाय के दलितों और पिछड़ों को निशाना बनाकर धर्मांतरित करवाये जाने का पूरा खेल ही अब हतोत्साहित हो जाएगा। हालांकि, कांग्रेस व समाजवादी मूल की क्षेत्रीय पार्टियां यदि चाहें तो इस मुद्दे पर अपनी राजनीति भी शुरू कर सकती है कि जब हिन्दू, बौद्ध या सिख बनेंगे तो उनका एससीओबीसी स्टेटस बरकरार रहेगा, लेकिन जैन, ईसाई, मुसलमान, पारसी आदि बनने पर नहीं, यह कौन सा खिचड़ी न्यायिक दर्शन है, जो हर गतिरोध के बाद एक नया गतिरोध पैदा कर देता है। कहने का तात्पर्य यह कि ज्यूडिशियल एंटीबायोटिक पॉवर बढ़ाये बिना सम्बन्धित व्यक्ति या समूह का कल्याण नहीं होने वाला है।

बता दें कि सुप्रीम कोर्ट ने गत 23–24 मार्च 2026 को एक महत्वपूर्ण फैसला सुनाया, जिसमें कहा गया कि हिंदू, सिख या बौद्ध धर्म के अलावा किसी अन्य धर्म (जैसे ईसाई, इस्लाम आदि) में परिवर्तन करने पर अनुसूचित जाति (एससी) का दर्जा तुरंत समाप्त हो जाता है। इस आदेश से एससीध्एसटी आरक्षण लाभ और अत्याचार निवारण अधिनियम का संरक्षण खत्म हो जाता है। दरअसल, यह फैसला आंध्र प्रदेश हाईकोर्ट के मई 2025 के आदेश पर आधारित है, जहां एक ईसाई पादरी को एससीध्एसटी एक्ट के तहत संरक्षण से वंचित किया गया। क्योंकि कोर्ट ने स्पष्ट किया कि संविधान के अनुसूचित जाति आदेश 1950 के अनुसार केवल निर्दिष्ट धर्मों के अनुयायी ही एससी लाभ ले सकते हैं। ईसाई या इस्लाम अपनाने पर जातिगत पहचान और लाभ दोनों समाप्त हो जाते हैं।

इस फैसले के अहम राजनीतिक मायने हैं। यह फैसला धर्मांतरण पर आधारित आरक्षण दावों को रोक सकता है, जो दक्षिणपंथी दलों के लिए समर्थन बढ़ाएगा। वहीं, अल्पसंख्यक आरक्षण बहस (जैसे दलित ईसाईध्मुस्लिम) को प्रभावित कर चुनावी राजनीति में हिंदू एकता पर जोर देगा। राज्य सरकारें ओबीसी/एससी सूचियों की समीक्षा के दबाव में आ सकती हैं। वहीं, इस फैसले के बाद धर्म परिवर्तन और आरक्षण से जुड़ी बहस जोर पकड़ सकती है। चूंकि सुप्रीम कोर्ट ने संविधान के आलोक में फैसला दिया है, लेकिन कुछ मसले ऐसे होते हैं जहां कानून और जमीनी हकीकत आमने–सामने आ जाते हैं। भारत में जाति एक सच्चाई है, जिसे नहीं बदला जा सकता, लेकिन इससे जुड़ी बुराइयों को खत्म करने की तमाम कोशिश होनी चाहिए। जो राजनीतिक और न्यायिक अदूरदर्शिता वश नहीं हो पा रही है और तरह तरह के संवैधानिक विवाद जन्म ले रहे हैं, जिससे राष्ट्रीय हितों को लगातार धक्का लग रहा है।

जहां तक इस फैसले के सामाजिक प्रभाव की बात है तो धर्म परिवर्तन के बाद एससी/ओबीसी का लाभ न मिलने से सामाजिक न्याय की नीति मजबूत होगी, लेकिन धार्मिक रूपांतरण रोकने या जातिगत अस्मिता पर बहस तेज हो सकती है। चूंकि दलित समुदायों में हिंदू सिख्बौद्ध रहने का दबाव बढ़ेगा, जबकि ईसाईध्मुस्लिम समुदायों में असंतोष उत्पन्न हो सकता है। फिर भी कुल मिलाकर देखा जाए तो यह आरक्षण को ऐतिहासिक अन्याय सुधार तक सीमित रखने की दिशा में उठाया गया निर्णायक कदम है। इस पर मौजूदा मोदी सरकार के वैचारिक असर से भी इनकार नहीं किया जा सकता है, क्योंकि यह सरकार दलितध्ओबीसी हिंदुओं की एकजुटता व समग्र उत्थान के लिए प्रतिबद्ध है।

फ्हालांकि देश में जाति से जुड़ा सवाल बहुत टेढ़ा और जटिल है। क्योंकि सामाजिक स्तर पर हमेशा से यह बहस का विषय रहा है कि क्या धर्म बदलने भर से जातिगत भेदभाव खत्म हो जाता है? गाहे बगाहे ऐसे मामले सामने आते रहे हैं, जिनमें दलित या ओबीसी समुदाय के लोगों को दूसरा धर्म अपनाने के बाद भी भेदभाव का सामना करना पड़ता है। पिछले साल मार्च में ही तमिलनाडु के कुछ ईसाई परिवारों, जो पहले दलित थे, ने आरोप लगाया था कि उनके साथ समान व्यवहार नहीं होता। यहां तक कि कब्रिस्तान में उनके लोगों के शवों को दफनाने के लिए भी अलग जगह है।

उल्लेखनीय है कि शीर्ष अदालत के फैसले का आधार संविधान (अनुसूचित जाति) आदेश, 1950 है। जिसका क्लॉज 3 कहता है कि हिंदू, सिख और बौद्ध धर्म को मानने वाले ही एससी श्रेणी में आ सकते है। धर्म परिवर्तन और जाति से जुड़ी यह बहस बहुत पुरानी है। इसके दो पहलू है। एक, जिन धर्मो में जाति व्यवस्था नही है, उन्हें अपनाकर फिर जाति से जुड़े लाभ कैसे लिए जा सकते है। पिछले साल दिसंबर में इलाहाबाद हाईकोर्ट ने यूपी सरकार को यह सुनिश्चित करने का आदेश दिया था कि जिन्होंने ईसाई धर्म अपना लिया है, उन्होंने अनुसूचित जाति से जुड़े लाभ छोड़ दिए हों।

तब हाईकोर्ट ने कहा था कि धर्म परिवर्तन के बाद भी अनुसूचित जाति समुदाय को मिलने वाले फायदे लेते रहना संविधान के साथ धोखा है। राष्ट्रीय अनुसूचित जाति आयोग के पास इस तरह की कई शिकायतें है और उसने पिछले साल देशभर में जांच भी शुरू की थी। कुल मिलाकर उद्देश्य यह है कि संविधान के तहत मिले अधिकार का दुरुपयोग न होने पाए। क्योंकि जाति और धर्म का दुरुपयोग होने की चिंता शुरू से ही न्यायिक विमर्श का मुद्दा बनी हुई है। लिहाजा ब्रेक के बाद न्यायदेश मिलते रहते हैं।

इंद्रा साहनी केस (1992) मुख्य रूप से ओबीसी आरक्षण पर केंद्रित था, लेकिन हालिया सुप्रीम कोर्ट फैसले (धर्म परिवर्तन पर दर्जा समाप्ति) से इसका अप्रत्यक्ष संबंध है। दोनों आरक्षण को जाति–आधारित ऐतिहासिक अन्याय सुधार तक सीमित रखने के सिद्धांत साझा करते हैं। इंद्रा साहनी का सारूप इस केस में सुप्रीम कोर्ट ने ओबीसी को 27: आरक्षण मान्य किया, लेकिन 50: कुल सीमा तय की और स्पष्ट किया कि आरक्षण का आधार धर्म या जाति अकेला नहीं हो सकता। क्रीमी लेयर बहिष्कार और पिछड़ापन के सामाजिक–शैक्षिक मापदंड निर्धारित किए गए।

हालिया फैसले से संबंधरू 2026 के एससी/एसटी फैसले में संविधान के अनुसूचित जाति आदेश 1950 का हवाला दिया गया, जो इंद्रा साहनी के सिद्धांतों से मेल खाता है कि आरक्षण धर्म पर आधारित नहीं। ओबीसी मामलों में (जैसे मुस्लिम आरक्षण रद्द), कोर्ट ने इंद्रा साहनी का जिक्र कर धर्म को आधार बनाने से रोका, जो एससी केस की भावना से जुड़ता है। हालांकि, सीधा उल्लेख नहीं मिला, लेकिन सामान्य आरक्षण दर्शन समान है, जिसका सर्वकालिक महत्व जगजाहिर है।–(इस लेख में लेखक के अपने विचार हैं।)

# भारत में विदेशी छात्रों की बढ़ती संख्या

—जयन्तीलाल भण्डारी—

वर्ष 2030 तक भारत आने वाले विदेशी छात्रों की संख्या में हर साल लगभग आठ प्रतिशत की दर से बढ़ोतरी का अनुमान है। जहां वर्ष 2022 में 39 हजार से अधिक विदेशी छात्र भारत आए थे, वहीं वर्तमान में लगभग 200 देशों के 72 हजार से अधिक विदेशी छात्र भारत के उच्च शिक्षा संस्थानों में अध्ययनरत हैं।

हाल ही में 25 मार्च को वैश्विक उच्च शिक्षा सेवाओं का मूल्यांकन करने वाली अग्रणी कंपनी ब्रिटेन स्थित क्यूएस क्वाक्वेरेली साइमंड्स द्वारा प्रकाशित 16वीं वार्षिक रिपोर्ट में वर्ष 2025 में वर्ल्ड यूनिवर्सिटी की रैंकिंग में भारतीय शैक्षणिक संस्थानों का अभूतपूर्व प्रदर्शन रहा है। भारत ने इस साल विभिन्न विषयों और संकाय क्षेत्रों में शीर्ष 50 में से 27 स्थान हासिल किए हैं, जो कि पिछले वर्ष 2024 में दर्ज किए गए 12 स्थानों की तुलना में दोगुने से भी अधिक हैं। कह सकते हैं कि यह रैंकिंग भारतीय उच्च शिक्षा प्रणाली की बढ़ती वैश्विक साख और भविष्य की संभावनाओं को दर्शाती है।

रिपोर्ट के अनुसार भारत एक प्रमुख अंतर्राष्ट्रीय शिक्षा गंतव्य देश बनने की ओर अग्रसर है। साथ ही वर्ष 2030 तक भारत आने वाले विदेशी छात्रों की संख्या में हर साल लगभग आठ प्रतिशत की दर से बढ़ोतरी का अनुमान है। जहां वर्ष 2022 में 39 हजार से अधिक विदेशी छात्र भारत आए थे, वहीं वर्तमान में लगभग 200 देशों के 72 हजार से अधिक विदेशी छात्र भारत के उच्च शिक्षा संस्थानों में अध्ययनरत हैं। अब केंद्र सरकार ने 'स्टडी इन इंडिया' पहल के तहत 2030 तक प्रतिवर्ष 2 लाख विदेशी छात्रों को आकर्षित करने का लक्ष्य रखा है। निरूसंदेह, भारत वैश्विक शिक्षा केंद्र के रूप में स्थापित होने की राह पर आगे बढ़ रहा है। अब हर साल बड़ी संख्या में गुणवत्तापूर्ण कौशल, अनुसंधान सुविधाओं और उच्च शिक्षा के बाद विदेश में ही करिअर के अवसरों को पाने के मद्देनजर विदेशों में उच्च शिक्षा के लिए जाने वाले भारतीय छात्रों की संख्या लगातार घट रही है।

भारत में विदेशी छात्रों की संख्या बढ़ने की कई वजहें हैं। सरकार ने पिछले कुछ सालों में 'नेशनल एजुकेशन पॉलिसी' (एनईपी) 2020 के जरिए शिक्षा व्यवस्था में सुधार किए गए हैं। एनईपी के तहत एजुकेशनल इंफ्रास्ट्रक्चर अपग्रेड करने, मान्यता देने की व्यवस्था मजबूत करने, रिसर्च और इनोवेशन को बढ़ावा देने और डिजिटल एजुकेशन का विस्तार करने का अभियान लगातार आगे बढ़ाया जा रहा है। ऐसे गुणात्मक सुधार से भारत के शिक्षा संस्थानों को अंतर्राष्ट्रीय स्तर पर अधिक मान्यता मिल रही है।

वैश्विक स्तर की शिक्षा व्यवस्था को भारत में लाने के मद्देनजर 19 विदेशी यूनिवर्सिटीज को भारत में कैंपस स्थापित करने की इजाजत दी गई है। इससे जिस वैश्विक शिक्षा के लिए पहले छात्रों को विदेश जाना पड़ता था, अब वही शिक्षा आसानी से भारत में ही मिलने की व्यवस्था सुनिश्चित हुई है। निश्चित रूप से विदेशी यूनिवर्सिटीज को भी भारत में बड़ी संख्या में छात्र मिलने का लाभ है। भारत में उच्च शिक्षा की मांग में तेजी से वृद्धि हो रही है।

चूंकि वैश्विक यूनिवर्सिटीज भारत में डिग्री प्रदान कर सकती हैं, अतएव छात्रों के लिए विदेश जाने के खर्च और अनिश्चितताओं के बिना अंतर्राष्ट्रीय स्तर की गुणवत्तापूर्ण शिक्षा भारत में ही लेना लाभप्रद है। इतना ही नहीं, भारतीय छात्रों के लिए शिक्षा के प्रमुख गंतव्य देश, खासकर अमेरिका, कनाडा, ब्रिटेन और ऑस्ट्रेलिया में आव्रजन नियमों में सख्ती आई है और वीजा जांच के अलावा वित्तीय लागत बढ़ गई है।

हाल ही में प्रकाशित अमेरिका के स्टेट डिपार्टमेंट की रिपोर्ट मार्च 2026 के मुताबिक पिछले वर्ष जनवरी से अगस्त 2025 के बीच अमेरिका द्वारा परमानेंट रेजिडेंट और टेंपरेरी वीजा मंजूरी में साल भर पहले की तुलना में 11 फीसदी की कमी आई है। इतना ही नहीं अमेरिका में जो छात्र अध्ययनरत हैं, उनके लिए भी रोजगार ढूंढना मुश्किल हो गया है।

सरकार हरसंभव तरीके से भारत को वैश्विक शिक्षा व डिजिटल शिक्षा का केंद्र बनाने के लिए प्रयास कर रही है। वित्त वर्ष 2026–27 के बजट के तहत शिक्षा व्यवस्था के विभिन्न आवंटनों को वैश्विक शिक्षा और अर्थव्यवस्था की वास्तविक जरूरतों के मद्देनजर आर्टिफिशियल इंटेलिजेंस (एआई), इनोवेशन, ऑटोमेशन, डिजिटल इंफ्रास्ट्रक्चर और डिजिटल बिजनेस से सम्बद्ध करने संबंधी प्रभावी पहल की गई है।

भारत के पास बदलते हुए दौर में उच्च शिक्षा का वैश्विक केंद्र बनने के अवसर मौजूद हैं। देश को शिक्षा के तहत आर्टिफिशल इंटेलिजेंस, सेमीकंडक्टर, जैव प्रौद्योगिकी और स्वच्छ प्रौद्योगिकियों जैसे क्षेत्रों में तेजी से उन्नत कौशल विकसित करने की रणनीति अपनाना होगी। देश में वैश्विक शिक्षा को सस्ती और गुणवत्तापूर्ण बनाकर खासतौर से एशिया, अफ्रीका, पश्चिम एशिया सहित कई विकसित और विकासशील देशों के छात्रों के कदम भारत की यूनिवर्सिटीज की ओर मोड़ने के लिए प्रयास करने होंगे। भारत को इंजीनियरिंग, प्रबंधन, स्वास्थ्य विज्ञान, डिजाइन, मीडिया और उभरती प्रौद्योगिकियों की वैश्विक शिक्षा का हब बनाने के विशेष प्रयत्न करने होंगे। देश की यूनिवर्सिटीज को उदाहिता, नवाचार, अनुसंधान की गुणवत्ता, प्रयोगशालाओं में निरंतर निवेश, वैश्विक संस्थानों के साथ आसान सहयोग, नियामक ढांचों के लिए कठोर मानकों के साथ यूनिवर्सिटिज को अधिक स्वायत्तता से वैश्विक स्तर पर प्रतिस्पर्धी बनाना होगा।

—लेखक अर्थशास्त्री हैं।

# अपना धर्म बनाए रखने की 'स्वतंत्रता'!

—जूलियो रिबैरो—

'वैस्टर्न रीजन बिशप्स काऊंसिल' से संबद्ध महाराष्ट्र के कैथोलिक बिशपों ने हाल ही में महाराष्ट्र राज्य विधानमंडल के दोनों सदनों द्वारा पारित 'फ्रीडम ऑफ रिलीजन' विधेयक के खिलाफ आधिकारिक रूप से विरोध दर्ज कराया है। मुझे खुशी है कि उन्होंने ऐसा किया। एक कैथोलिक के रूप में, मुझे बहुत निराशा होती यदि बिशप संविधान के उस अपमान को चुपचाप स्वीकार कर लेते, जो यह 'स्वतंत्रता' अपने साथ लाती है।

संविधान के इस 'अपमान' पर विस्तार से चर्चा करने से पहले, मैं वर्तमान भाजपा सरकार के पक्ष में एक बात कहना चाहता हूं। उनके पास हास्य की अच्छी समझ है! एक नागरिक को अपनी पसंद के धर्म को चुनने या उसका पालन करने की स्वतंत्रता से वंचित करना और फिर उस प्रतिबंध को 'स्वतंत्रता' का नाम देना वाकई किसी जादूगर की हाथ की सफाई जैसा है। हमारे प्रधानमंत्री 'सबका साथ, सबका विकास' की बात करते हैं, लेकिन उनके अनुयायी मुसलमानों को (जो उनकी नफरत का मुख्य लक्ष्य हैं) दक्षहदू इलाकों में अपना सामान बेचने की अनुमति नहीं देते, जबकि वे अनंत काल से ऐसा करते आ रहे हैं। व्यक्तिगत रूप से, मैं धर्म परिवर्तन के पक्ष में नहीं हूं।

मेरा कहने का मतलब यह है कि हमारे पादरियों और ननों को अन्य धर्मों के अनुयायियों को ईसाई धर्म की ओर आकर्षित करने के उद्देश्य से जानबूझकर 'सुसमाचार' का प्रचार नहीं करना चाहिए। लेकिन अगर सत्य, न्याय, दया और करुणा के उनके ईसाई जीवन से प्रभावित होकर कुछ गैर–ईसाई, ईसाई धर्म की ओर आकर्षित होते हैं, तो क्या हमारे पादरी और नन इन संभावित 'धर्म परिवर्तन करने वालों' को भगा सकते हैं? वे ऐसा नहीं कर सकते और उन्हें ऐसा करना भी नहीं चाहिए। भारतीय संविधान इस मुद्दे पर बहुत स्पष्ट है। ईसाई और इस्लाम दोनों के विवाह नियमों में यह आवश्यक था कि चर्च या मस्जिद में विवाह करने वाले दोनों पक्ष एक ही धर्म के हों। यदि वे नहीं थे, तो गैर–ईसाई को ईसाई धर्म में और गैर–मुस्लिम को इस्लाम में परिवर्तित होना पड़ता था, यदि विवाह उनके संबंधित कानूनों और रीति–रिवाजों के अनुसार संपन्न करना हो।

कैथोलिक चर्च ने दशकों पहले इस मजबूरी को त्याग दिया है। जब गैर–कैथोलिक पक्ष द्वारा धर्म परिवर्तन के लिए अनुरोध किया जाता है, तो पादरी उन्हें सूचित करते हैं कि धर्म परिवर्तन की आवश्यकता नहीं है। वे यह भी जोड़ते हैं कि पक्षकार इस मुद्दे पर निर्णय लेने के लिए 5 या उससे अधिक वर्षों तक प्रतीक्षा कर सकते हैं। मैं यहां नौसेना के 2 डॉक्टरों का मामला बताता हूं, जो पुणे के ए.एफ.एम.सी. (आर्म्ड फोर्सेज मैडिकल कॉलेज) के छात्र थे और अलग–अलग धर्मों के थे। पढ़ाई के दौरान उन्हें प्यार हो गया। दूल्हा पुणे नगर पालिका के मुख्य चिकित्सा अधिकारी का बेटा था। उसकी मां और मेरी मां बारदेज तालुका के छोटे से गोअन गांव बादेम में पड़ोसी और सहपाठी थीं। दुल्हन भारतीय सेना के एक सेवारत या सेवानिवृत्त मेजर जनरल की बेटी थी और पुणे के एक प्रसिद्ध चितपावन ब्राह्मण परिवार से थी। जब जोड़ा शादी के बंधन में बंधने के अपने इरादे की घोषणा करने के लिए एक जेसुइट पादरी (जो एक जर्मन थे) के पास गया, तो लड़की ने कहा कि वह कैथोलिक धर्म अपनाने को तैयार है। तुरंत जवाब आया, 'ऐसी कोई आवश्यकता नहीं है। वास्तव में, मैं आपको सलाह देता हूं कि ऐसा कोई भी निर्णय लेने से पहले कम से कम पांच साल प्रतीक्षा करें।' और यह अच्छा ही रहा। क्योंकि उनका बेटा पैदा होने के तुरंत बाद, अधिकारी ने नौसेना की विमानन शाखा के सहयोगियों के साथ हैलीकॉप्टर में एक सवारी की और कभी वापस नहीं आए। हैलीकॉप्टर समुद्र में गायब हो गया और उसमें सवार सभी लोग मारे गए।

मेरी मां की सहपाठी ने मेरी मां को बताया कि उन्होंने और उनके पति ने युवा विधवा को दोबारा शादी करने के लिए राजी किया, जो उसने कर ली। पूर्व बहू और उसके पहले पति के परिवार के बीच संबंध अब भी घनिष्ठ और आत्मीय बने हुए हैं। मैं इस मामले का विस्तार से उल्लेख यह साबित करने के लिए कर रहा हूं कि कैथोलिक चर्च पिछले कुछ वर्षों में नाटकीय रूप से बदला है और उसने चर्च की शिक्षाओं को आधुनिक विचारों के साथ समायोजित किया है।

वर्तमान में 'जबरन धर्म परिवर्तन' के आरोप से बचने का एकमात्र समाधान 'मैरिज रजिस्ट्रार' के कार्यालय में शादी करना है, जैसा कि मेरी बेटी ने किया था। हाल ही में, गुजरात उच्च न्यायालय ने एक मुस्लिम पुरुष साथी को रजिस्ट्रार कार्यालय में शादी करने और अपनी हिंदू महिला साथी के खाते में 3 लाख रुपए जमा करने का आदेश दिया, ताकि उसके माता–पिता की इस मांग को खारिज किया जा सके कि उसे उसके मायके वापस भेज दिया जाए। लड़के ने तुरंत इसका पालन किया, जिससे साबित हुआ कि उसका प्यार सच्चा था और किसी 'जिहाद' से प्रेरित नहीं था।

कुछ राज्यों में सत्ता में बैठी भाजपा सरकारों को अपने उस मुख्य वोट बैंक को खुश करना पड़ता है, जिसे यह झूठ परोसा गया है कि हर मुस्लिम पुरुष की 4 पत्नियां और एक दर्जन बच्चे होते हैं। उनसे कहा जाता है कि एक समय आएगा जब मुसलमानों की संख्या हिंदुओं से अधिक हो जाएगी और वे शरीयत के कानून लागू कर देंगे। इस वर्ग के जागरूक लोग जानते हैं कि ये आंकड़े गलत हैं लेकिन वे हिंदू गौरव को बनाए रखने के लिए इस रास्ते पर चलते दिख रहे हैं। धर्म की 'स्वतंत्रता' की रक्षा के लिए बनाया गया यह कानून छोटे से ईसाई समुदाय को भी प्रभावित करेगा। शादी के बाद होने वाले कुछ धर्म परिवर्तन जरूर होते हैं लेकिन हमारे पादरियों को स्वयं यह निर्देश दिया गया है कि वे शादी संपन्न होने से पहले गैर–कैथोलिक लोगों को सलाह दें कि धर्म परिवर्तन की कोई आवश्यकता नहीं है, जैसा कि पांच दशक या उससे पहले हुआ करता था।

# दहेज हत्या के आरोप में पति, सास समेत तीन गिरफ्तार, पिता ने लगाया था प्रताड़ना का आरोप




**संवाददाता—श्रावस्ती।** जिले के सिरसिया थाना क्षेत्र के माधवपुर में 22 मार्च 2026 को एक विवाहिता की संदिग्ध परिस्थितियों में मौत हो गई थी। मृतका के पिता की शिकायत पर पुलिस ने दहेज हत्या का मामला दर्ज कर पति, सास और एक अन्य को गिरफ्तार कर लिया है। सभी आरोपियों को न्यायालय में पेश किया गया। मृतका की पहचान सीमा देवी के रूप में हुई है, पिता पवन कुमार, जो बलरामपुर जिले के हरैया सतघरवा निवासी हैं। ने पुलिस को दी गई तहरीर में आरोप लगाया कि शादी के बाद से उनकी बेटी को अतिरिक्त दहेज की मांग को लेकर प्रताड़ित किया जा रहा था। उन्होंने दावा किया कि 22 मार्च 2026 को इसी प्रताड़ना के कारण सीमा की मौत हो गई।

पुलिस के अनुसार, पिता की तहरीर के आधार पर सिरसिया थाने में मामला दर्ज किया गया। प्रारंभिक जांच के बाद पुलिस ने आरोपियों को उनके माधवपुर स्थित निवास से गिरफ्तार किया। गिरफ्तार किए गए आरोपियों में मृतका के पति तुलसीराम (पुत्र जानकी प्रसाद), जानकी प्रसाद की पत्नी (सास) और बेचनलाल की पत्नी (एक अन्य परिजन) शामिल हैं। ये सभी माधवपुर, थाना सिरसिया, जनपद श्रावस्ती के निवासी हैं।

मृतका के पिता ने बताया कि पिछले लगभग दो वर्षों से दहेज में नकदी और एक अपाची बाइक की मांग की जा रही थी। उन्होंने आरोप लगाया कि शादी के समय उन्होंने बाइक दी थी, लेकिन छह महीने पहले दामाद ने वह बाइक उनके घर वापस लाकर खड़ी कर दी थी। पिता ने यह भी बताया कि उनके बेटे की शादी तय थी, और उन्होंने दामाद से कहा था कि बेटे की शादी के बाद अपाची बाइक दे दी जाएगी, क्योंकि फिलहाल उनके पास व्यवस्था नहीं थी। इसी बात को लेकर विवाद और प्रताड़ना बढ़ गई थी। सीमा देवी की शादी करीब दस साल पहले हुई थी और उनकी एक छोटी बेटी भी है। पुलिस ने बताया कि मामले की जांच जारी है। पोस्टमार्टम रिपोर्ट और अन्य साक्ष्यों के आधार पर आगे की कानूनी कार्रवाई की जाएगी।

## चार किशोर नदी में डूबे, नदी में कूद कर युवक ने तीन को बचाया, एक की मौत

**संवाददाता—श्रावस्ती।** चार दोस्त एक साथ राप्ती नदी में नहाने उतरे थे। नहाते समय गहरे पानी में चले जाने से चारों डूबने लगे। मदद की गुहार सुन दौड़े एक व्यक्ति ने नदी में कूद कर तीन किशोरों की जान बचा ली। जबकि एक किशोर की मौत हो गई जिसका शव नदी से बरामद किया गया। भिनगा कोतवाली क्षेत्र के सिहनिया गांव निवासी शिवा उर्फ गौतम मिश्रा (17) पुत्र शिव कुमार शुक्रवार को रामगढ़ी गांव स्थित गौशाला के बगल राप्ती नदी में नहाने गया था। उसके साथ इसी गांव निवासी उसके तीन अन्य दोस्त नवीन मिश्रा (15) पुत्र शिवपाल, रूपनरायन (16) पुत्र विनोद कुमार व अनुज यादव (16) पुत्र पंचम यादव भी मौजूद थे। राप्ती नदी पर पहुंच कर चारों नहाने के लिए नदी में उतर गए।नहाते समय अचानक गहरे पानी में चले गए और चारो डूबने लगे। इस दौरान सभी किशोरों को डूबता देख पास में ही खेत में काम कर रहे गांव निवासी निजामुद्दीन ने उन्हें बचाने के लिए नदी में छलांग लगा दी और नवीन, रूपनरायन व अनुज को बचाकर सुरक्षित बाहर निकाल लिया।लेकिन तब तक शिवा उर्फ गौतम मिश्रा नदी में डूबकर लापता हो गया। सूचना मिलते ही परिजन ग्रामीणों के साथ मौके पर पहुंचे और स्थानीय गोताखारों की मदद से किशोर की तलाश शुरू की गई। घंटों तलाश के बाद नदी से किशोर का शव बरामद हुआ।

# 258 जोड़ों का सामूहिक विवाह हुआः सरकारी योजना से होटल में हुए फेरे और निकाह

**संवाददाता—बलरामपुर।** जिले में एक सामूहिक विवाह समारोह आयोजित किया गया, जिसमें 258 जोड़ों ने एक साथ वैवाहिक जीवन की शुरुआत की। यह आयोजन सरकारी योजनाओं की सफलता को दर्शाता है, जो जरूरतमंदों के जीवन में सकारात्मक बदलाव ला रही हैं। इस कार्यक्रम ने उन सैकड़ों परिवारों के लिए विवाह का सपना साकार किया, जो आर्थिक तंगी के कारण अपनी बेटियों की शादी नहीं कर पा रहे थे। यह योजना ऐसे परिवारों को आर्थिक सहायता और सम्मानजनक विवाह का अवसर प्रदान करती है। सदर विकास खंड क्षेत्र की एक लाभार्थी महिला ने बताया कि सीमित संसाधनों के कारण बेटी की शादी की चिंता रहती थी। इस योजना ने न केवल आर्थिक बोझ कम किया, बल्कि सम्मानजनक तरीके से विवाह का अवसर भी प्रदान किया।

मुख्य अतिथि विधायक पल्टूराम ने कहा कि सरकार का उद्देश्य है कि कोई भी बेटी शादी के अभाव में कठिनाई का सामना न करे। उन्होंने बताया कि योजना के तहत प्रत्येक जोड़े पर लगभग एक लाख रुपये खर्च किए जाते हैं।

इस राशि का एक बड़ा हिस्सा सीधे वधू के बैंक खाते में भेजा जाता है, जबकि शेष राशि उपहारों और विवाह समारोह के आयोजन पर खर्च की जाती है। समारोह एक बड़े होटल में आयोजित किया गया, जहां पारंपरिक रीति—रिवाजों के अनुसार विवाह संपन्न कराए गए। हिंदू जोड़ों ने वैदिक मंत्रोच्चार के बीच सात फेरे लिए, वहीं मुस्लिम जोड़ों का निकाह भी विधि—विधान से संपन्न हुआ। इस अवसर पर मुख्य विकास अधिकारी हिमांशु गुप्त, नगर पालिका अध्यक्ष डॉ. धीरेंद्र प्रताप सिंह सहित कई जनप्रतिनिधि और अधिकारी उपस्थित रहे। सभी नवविवाहित जोड़ों को आशीर्वाद और उपहार भेंट कर उनके उज्ज्वल भविष्य की कामना की गई।

# बजट के अभाव में अधर में लटकी राष्ट्रीय पारिवारिक योजना

**संवाददाता—देवरिया।** समाज कल्याण विभाग से संचालित है राष्ट्रीय पारिवारिक योजना का लाभ बजट के अभाव में पात्रों को नहीं मिल पा रहा है। शासन से बजट नहीं मिलने से जिले के विभिन्न विकास खंडों के लगभग सोलह सौ आवेदकों को राष्ट्रीय पारिवारिक योजना का लाभ मिलने का इंतजार है।सरकार द्वारा समाज कल्याण विभाग के अधीन राष्ट्रीय पारिवारिक लाभ योजना संचालित है। इस योजना के तहत 18 से लेकर 60 वर्ष से कम उम्र के परिवार के कमाऊ व्यक्ति की आकस्मिक मृत्यु होने पर सरकार की तरफ से 30 हजार रुपए की आर्थिक मदद मिलती है। इसके लिए समाज कल्याण विभाग को आवेदन करना होता है। वहीं विभाग द्वारा ब्लॉक स्तर से आवेदन की जांच कराई जाती है। सत्यापन के बाद इसकी सूची शासन को भेजी जाती है। वहीं जिले में इस योजना के तहत विभिन्न विकास खंडों के अंतर्गत कुल 16 सौ आवेदन स्वीकृत हैं। उधर वित्तीय वर्ष समाप्त होने में पांच दिन और शेष है। वहीं शासन से बजट नहीं मिलने से पात्रों को धनराशि का इंतजार है। इस संबंध में समाज कल्याण अधिकारी सुधीर पाण्डेय ने बताया कि पारिवारिक लाभ योजना के तहत शासन से बजट मिलने का इंतजार है। बजट मिलते ही संबंधित के खाते में धनराशि आहरित हो जाएगी।

## धोखाधड़ी, जाली दस्तावेज मामले में आरोपी गिरफ्तार

**संवाददाता—बलरामपुर।** पुलिस ने फर्जी पासपोर्ट और जालसाजी से जुड़े एक वांछित आरोपी को गिरफ्तार किया है। पचपेड़वा थाना पुलिस ने धोखाधड़ी, जाली दस्तावेज बनाने और आपराधिक षड्यंत्र के मामले में यह कार्रवाई की। यह कार्रवाई एसपी विकास कुमार के सख्त निर्देशों पर प्रभारी निरीक्षक ओम प्रकाश चौहान के नेतृत्व में एक पुलिस टीम द्वारा की गई। गिरफ्तार आरोपी की पहचान नूरुल हसन बब्लू उर्फ नूरुल हसन इद्रीसी के रूप में हुई है। वह पचपेड़वा कस्बे के पुरानी बाजार क्षेत्र का निवासी है। पुलिस ने उसे विशुनपुर टनटनवा ओवरब्रिज के पश्चिमी छोर के पास से पकड़ा। आरोपी के खिलाफ थाना पचपेड़वा में धोखाधड़ी, फर्जी दस्तावेज तैयार करने और आपराधिक साजिश की गंभीर धाराओं में मुकदमा दर्ज था। उस पर पासपोर्ट अधिनियम 1967 के तहत भी कार्रवाई की गई है। गिरफ्तारी के बाद आरोपी को न्यायालय में पेश करने की प्रक्रिया शुरू कर दी गई है। इस कार्रवाई में उपनिरीक्षक दिलीप कुमार सिंह, कांस्टेबल आशीष विश्वकर्मा और दीपक सोनी ने महत्वपूर्ण भूमिका निभाई। पुलिस ने बताया कि जिले में फर्जी दस्तावेज और पासपोर्ट से जुड़े अपराधों के खिलाफ सख्त कार्रवाई जारी रहेगी। ऐसे अपराधियों को बख्शा नहीं जाएगा।

# हाटा बस स्टैंड पर अंडरपास निर्माण का स्थलीय निरीक्षण

**संवाददाता—कुशीनगर।** हाटा बस स्टैंड पर अंडरपास निर्माण के लिए स्थलीय निरीक्षण और सर्वे किया गया। सांसद विजय कुमार दुबे, हाटा विधायक मोहन वर्मा और एनएचएआई के परियोजना निदेशक ललित पाल सहित अन्य अधिकारियों ने यह निरीक्षण किया। यह पहल अखिल भारतीय व्यापार मंडल के अध्यक्ष दिलीप जायसवाल की मांग पर की गई। अधिकारियों ने बस स्टैंड के आसपास के क्षेत्र का गहन निरीक्षण किया और स्थानीय समस्याओं को समझा। उन्होंने अंडरपास के लिए संभावित स्थानों की पहचान की। व्यापारी और आम नागरिक लंबे समय से इस अंडरपास की मांग कर रहे थे, ताकि यातायात सुगम हो सके और सड़क दुर्घटनाओं में कमी आए। सर्वे के दौरान हाटा केन यूनियन अध्यक्ष विवेक सिंह बंटी, पवन शर्मा, सभासद जय प्रकाश जायसवाल और मुंशी सिंह सहित कई गणमान्य नागरिक उपस्थित थे। सभी ने इस पहल का स्वागत किया और इसे क्षेत्र के विकास के लिए एक महत्वपूर्ण कदम बताया। सांसद विजय कुमार दुबे और विधायक मोहन वर्मा ने आश्वासन दिया कि जनहित से जुड़े इस महत्वपूर्ण कार्य को प्राथमिकता के आधार पर आगे बढ़ाया जाएगा। उन्होंने कहा कि अंडरपास बनने से यातायात व्यवस्था में सुधार होगा और स्थानीय व्यापार को भी बढ़ावा मिलेगा। क्षेत्रीय लोगों ने उम्मीद जताई है कि सर्वे के बाद जल्द ही अंडरपास का निर्माण कार्य शुरू होगा, जिससे वर्षों पुरानी समस्या का समाधान हो सकेगा।

## 9 गोवंशीय पशु बरामदः पुलिस ने पिकअप से दो तस्करों को गिरफ्तार किया



**संवाददाता—देवरिया।** बनकटा थाना क्षेत्र में पुलिस ने अवैध पशु तस्करी के खिलाफ बड़ी कार्रवाई की है। इस दौरान एक पिकअप वाहन से 9 गोवंशीय पशु बरामद किए गए और मौके से दो आरोपियों को गिरफ्तार किया गया। बनकटा पुलिस को धरहनिया गांव स्थित एक मुर्गी फार्म के पास पशु तस्करों की मौजूदगी की सूचना मिली थी। सूचना के आधार पर पुलिस ने घेराबंदी की। इसी दौरान पिकअप वाहन संख्या न्च 52ठज 3660 को रोका गया, जिसमें 9 गोवंशीय पशु लदे हुए थे और उन्हें बिहार ले जाया जा रहा था। जांच में मामला संदिग्ध पाए जाने पर पुलिस ने वाहन और पशुओं को अपने कब्जे में ले लिया। पुलिस ने इस कार्रवाई में दो आरोपियों को गिरफ्तार किया है। इनकी पहचान परान छपरा, नदावर घाट, थाना सलेमपुर निवासी हीरा यादव पुत्र निर्मल यादव और वार्ड नंबर—1 भगड़ा भवानी, मझौलीराज, थाना सलेमपुर निवासी दिलीप तुरहा पुत्र स्वामीनाथ तुरहा के रूप में हुई है।

दोनों आरोपियों के खिलाफ उत्तर प्रदेश गोवध निवारण अधिनियम की धारा 3‍5एध्8 और पशु क्रूरता निवारण अधिनियम, 1960 की धारा 11 के तहत मुकदमा दर्ज किया गया है। मामले में आगे की कानूनी कार्रवाई जारी है।

जांच के दौरान यह भी पता चला है कि दोनों आरोपियों का आपराधिक इतिहास रहा है। हीरा यादव पर पहले भी गंभीर धाराओं में मुकदमे दर्ज हैं, जबकि दिलीप तुरहा पर मारपीट, दुष्कर्म, गोवध अधिनियम और गैंगस्टर एक्ट सहित कई आपराधिक मामले दर्ज हैं। पुलिस अधिकारियों ने बताया कि जिले में अवैध पशु तस्करी के खिलाफ लगातार अभियान चलाया जा रहा है। ऐसी गतिविधियों में शामिल लोगों के खिलाफ सख्त कार्रवाई की जाएगी। बरामद किए गए पशुओं को सुरक्षित स्थान पर भेज दिया गया है। अधिकारियों के अनुसार, इस कार्रवाई से पशु तस्करी पर अंकुश लगाने में मदद मिलेगी। इस नेटवर्क से जुड़े अन्य लोगों की तलाश भी की जा रही है।

## देवी पाटन शक्तिपीठ में नवरात्रि नवमी पर उमड़ी आस्था

**संवाददाता—बलरामपुर।** चैत्र नवरात्रि की नवमी तिथि पर देवी पाटन शक्तिपीठ में श्रद्धालुओं की भारी भीड़ उमड़ पड़ी। सुबह से ही भक्त माता सिद्धिदात्री के दर्शन—पूजन के लिए लंबी कतारों में लगे रहे। नौ दिनों के व्रत और पूजन के बाद श्रद्धालु बड़ी संख्या में हवन मंडप पहुंचे, जहां उन्होंने अपने व्रतों की पूर्णाहुति की। पूरे दिन वैदिक मंत्रोच्चार के बीच हवन—पूजन का क्रम चल रहा है। धार्मिक मान्यताओं के अनुसार, नवमी तिथि को मां दुर्गा के नौवें स्वरूप मां सिद्धिदात्री की आराधना से सिद्धि, सुख—समृद्धि और मनोकामनाओं की पूर्ति होती है। इस दिन कन्या पूजन, हवन और पूर्णाहुति का विशेष महत्व बताया गया है।

शक्तिपीठ के पीठाधीश्वर महंत मिथिलेश नाथ योगी महाराज ने विश्व कल्याण की कामना से चल रहे नौ दिवसीय विशेष पूजन के समापन अवसर पर कन्या पूजन किया। इसके बाद हवन मंडप में वैदिक आचार्यों द्वारा मंत्रोच्चार के साथ हवन कराया गया, जिसमें बड़ी संख्या में श्रद्धालुओं ने भाग लिया।हवन मंडप के बाहर भी श्रद्धालुओं की लंबी कतारें देखी गईं।

भक्त मां पाटेश्वरी जी के दर्शन—पूजन के बाद हवन स्थल पर पहुंचकर आहुति अर्पित कर रहे थे और परिवार की सुख—शांति तथा समृद्धि की कामना कर रहे थे। दूर—दराज के क्षेत्रों से आए श्रद्धालुओं में विशेष उत्साह देखने को मिला। महिलाओं, पुरुषों और बच्चों सहित बड़ी संख्या में लोगों ने नवमी पूजन में हिस्सा लिया।

शास्त्रों के अनुसार, हवन में दी गई आहुति वातावरण को शुद्ध करती है और व्यक्ति के मन, बुद्धि तथा आत्मा को सकारात्मक ऊर्जा प्रदान करती है। यही कारण है कि भक्त नौ दिनों के उपवास और साधना के बाद नवमी के दिन हवन—पूजन कर अपने व्रत को पूर्ण करते हैं।

# गैस, डीजल व पेट्रोल वितरण में न बरतें अनियमितता —एसडीएम

**संवाददाता—बलरामपुर।** गैस सिलेंडर व पेट्रोल पंप की समस्या के मद्देनजर शुक्रवार को सदर तहसील क्षेत्र में सदर एसडीएम व डीएसओ एवं क्षेत्राधिकारी की टीम ने पेट्रोल पंपों के साथ गैस एजेंसियों का जायजा लिया। नगर क्षेत्र के वीर विनय चौराहा स्थित पेट्रोल पंप व बालाजी गैस एजेंसी का निरीक्षण कर संचालकों को आवश्यक निर्देश दिए। एसडीएम के मुताविक जिले में पर्याप्त मात्रा में पेट्रोल डीजल व गैस सिलेंडर उपलब्ध हैं। निरीक्षण के दौरान एसडीएम ने एजेंसी संचालकों को चेतावनी देते हुए कहा कि अनावश्यक रूप से भीड़ न लगने पाए। सदर एसडीएम हेमंत गुप्ता ने बताया कि शनिवार को वीर विनय चौराहा स्थित पेट्रोल पंप का निरीक्षण किया गया।

वहां पर कार्यरत कर्मचारियों व प्रबंधक को निर्देशित किया गया कि पंप पर आने वाले सभी ग्राहंकों को नियमानुसार पेट्रोल व डीजल उपलब्ध कराया जाए। पेट्रोल व डीजल वितरण में किसी भी प्रकार की अनियमतता मिलने पर कार्रवाई की जाएगी। बालाजी गैस एजेंसी पर निरीक्षण के दौरान वहां पर लगी भीड़ को देखकर एसडीएम ने प्रबंधक को बुलाकर निर्देशित किया कि गैस सिलेंडर लेने आने वाले उपभोक्ताओं को क्रमवार सिलेंडर उपलब्ध कराएं। ग्राहकों को किसी भी प्रकार की परेशानी न होने पाए। एसडीएम ने बताया कि केवाईसी एवं खाता के साथ मोबाइल लिंक कराने को लेकर एजेंसी पर अलग से काउंटर खोला गया है। जिन गैस उपभोक्ताओं का केवाईसी नहीं हुआ है वे अपना ई—केवाईसी वहां जाकर करा लें। उन्होंने बताया कि सभी एजेंसियों से वार्ता की गई है। जिसमें प्रबंधकों से गैस एजेंसियों एवं पेट्रोल पंपों पर मांग के सापेक्ष आपूर्ति सुनिश्चित कराने की बात कही गई है। निरीक्षण टीम में जिला पूर्ति अधिकारी कुमार निर्मलेन्दु, क्षेत्राधिकारी ज्योतिश्री, पूर्ति निरीक्षक वीरेन्द्र यादव मौजूद रहे।

# सियाराम किला झुंकी घाट में रामजन्मोत्सव की अलौकिक छटा, बधाई गीतों पर झूमे श्रद्धालु



## सरयू तट पर भक्ति, संगीत और उल्लास का अद्भुत संगम, अवध में चहुँओर बाजे रसीली बधाइयाँ' से गूंजा परिसर

**—भारतीय बस्ती संवाददाता—**

अयोध्या। रामनगरी में आस्था का सैलाब, जिधर देखो श्रद्धालु ही श्रद्धालु, अवसर था प्रभु श्रीराम के जन्मोत्सव का। भक्तों के पग बिना रुके अपने आराध्य की चौखट पर पहुंचने के लिए तेजी से बढ़ते गए। जन्मोत्सव में शामिल होने की बेसब्री प्रत्यक्ष दर्शित हो रही थी। आस्था के आगे प्रचंड धूप व तमाम दुश्वारियां बौनी साबित हुईं। श्रीराम जन्मोत्सव के प्रतिनिधि गीत जनम लियो रघुरईया अवध मा बाजे बधइया... भी गूंजने लगा। जैसे ही घड़ी की तीनों सुईयां एक हुई श्री राम जन्मभूमि परिसर स्थित रामलला के दरबार सहित पूरी अयोध्या में भए प्रगट कृपाला दीन दयाला कौशल्या हितकारी... के गान से गुंजायमान हो उठा और पूरी अयोध्या में घंट घड़ियाल की आवाज गूंजने लगी।भक्त प्रभु के अवतरण की खुशी में नाचने झूमने लगे। मंदिर में चारों तरफ जय श्रीराम का नारा गूंजने लगा। आस्था का चरमोत्कर्ष अवर्णनीय रहा। प्रभु की एक झलक पाने के लिए जनसैलाब उमड़ पड़ा। मंदिर प्रागंण में ढोल—नगाड़े के साथ साधु—संत व भक्तों के सोहर व बधाई गीत गूंजने लगे।भजन—कीर्तन की महफिल भी अभीष्ट के प्राकट्य की प्रतीक्षा में चरम पर पहुंचकर थम गई।जन्मोत्सव की अलौकिक छटा मां सरयू के तट पर स्थित सियाराम किला झुंकी घाट में देखी जा सकती है।10 बजे से ही पीठाधीश्वर महंत करुणानिधान शरण महाराज के सानिध्य में बधाई गीत प्रारंभ हो गई और जब श्री राम कथा के मर्मज्ञ अंतर राष्ट्रीय प्रवक्ता प्रभंजनानंद महाराज रंगभरी बधाई गान प्रारंभ की। अवध में चहुओर बाजे बाजे रसीली बधाइयां से परिसर में उपस्थित हजारों की संख्या में भक्त नाचने लगे और यह क्रम 12 बजे तक चलता है जैसे ही घड़ी की तीनों सुईयां एक पूरा परिसर श्री राम लला की जय कारे से गुंजायमान हो उठा घंटा घडियाल बजने लगे और श्री महाराज जी ने भगवान का प्रकट कराया आरती उतारी उसके बाद भी घंटो तक परिसर में बधाई चलती रही।रामजन्मोत्सव पर श्रीराम चरित मानस में वर्णित 'गृह गृह बाज बधाव सुभ प्रगटे सुषमा कंद। हरषवंत सब जहं तहं नगर नारि नर वृंद।' की पंक्ति भी निरूपित होती दिखी। अयोध्या के हजारों मंदिरों में रामजन्म का उल्लास उत्सव के रूप में चरम पर रहा। घंटे—घड़ियाल, ढोल—नगाड़े, पटाखे गूंजे तो अबीर—गुलाल उड़ा श्रद्धालु जन्म के क्षणों में डूबे नृत्य करते रहे।दशरथमहल बड़ास्थान में बिंदुगाद्याचार्य स्वामी देवेंद्रप्रसादाचार्य की अध्यक्षता में हुए जन्मोत्सव पर धनुषधारी भगवान के अलौकिक स्वरूप का दर्शन कर भक्त निहाल होते रहे।मणिराम दास की छावनी रामवल्लभाकुंज, राजगोपाल, जानकी महल, विअहुति भवन, सद्गुरु सदन गोलाघाट, रंगमहल आदि मंदिरों पर भी उत्सव का विशेष उल्लास मंदिर से सड़कों तक बिखरा रहा। सियाराम किला में अतिथियों का स्वागत प्रहलाद दास ने किया।

# हिंद में प्रतिवर्ष आती है नवमी राम की —महामंडलेश्वर महंत गणेश दास

**—भारतीय बस्ती संवाददाता—**

अयोध्या। मर्यादा पुरुषोत्तम श्रीराम के पावन जन्मोत्सव पर अयोध्या स्थित श्री अवध बिहारी कुंज में भक्ति, आनंद और उत्साह का अद्भुत संगम देखने को मिला। पीठाधीश्वर महामंडलेश्वर महंत गणेश दास महाराज के सानिध्य में आयोजित इस दिव्य उत्सव ने मानो संपूर्ण भारत को एक सूत्र में पिरो दिया।हिंद में प्रतिवर्ष आती है नवमी राम की, राम का सुमिरन करा जाती है नवमी राम की"कृइस भावपूर्ण उद्गार के साथ महंत गणेश दास महाराज ने प्रभु के अवतरण की महिमा का बखान किया। उनके सानिध्य में आयोजित जन्मोत्सव में राजस्थान और पंजाब सहित देश के विभिन्न प्रांतों से आए श्रद्धालुओं ने अपनी—अपनी लोक—सांस्कृतिक छटाओं के साथ उत्सव को जीवंत कर दिया। राजस्थानी और पंजाबी नृत्य की थिरकन में भक्ति का अनुपम रस घुला हुआ प्रतीत हो रहा था। मंदिर परिसर में ढोलक की मधुर थाप पर संत—महंत विविध भाषाओं में अपने आराध्य का गुणगान करते हुए बधाई गीतों की अविरल धारा बहा रहे थे। श्रद्धालु भी इस दिव्य अवसर को जीवन का दुर्लभ क्षण मानते हुए भक्ति और उल्लास में सराबोर होकर नृत्य करते दिखाई दिए। वातावरण ऐसा प्रतीत हो रहा था मानो आनंदकंद प्रभु के जन्मोत्सव का यह क्षण युगों बाद पुनः सजीव हो उठा हो।महंत गणेश दास महाराज ने कहा कि आज प्रभु रामलला मंदिर में भव्य रूप से विराजमान हैं और उनके दर्शन मात्र से जनमानस कृतार्थ हो रहा है। उन्होंने बताया कि यह उत्सव अब केवल अयोध्या तक सीमित नहीं रहा, बल्कि देश—विदेश में फैले सनातन अनुयायी भी इसे अत्यंत श्रद्धा और उल्लास के साथ मना रहे हैं।उन्होंने आगे कहा कि "ऐसा आध्यात्मिक वातावरण या तो त्रेतायुग में रहा होगा, अथवा अब जब प्रभु पुनः अपने भव्य धाम में विराजमान हुए हैं, वही दिव्यता पुनः अवतरित होती प्रतीत हो रही है।"रामजन्मोत्सव के इस पावन अवसर पर अयोध्या एक बार फिर राममय हो उठी, जहाँ हर हृदय में भक्ति का दीप प्रज्वलित और हर कंठ पर 'जय श्रीराम' का उद्घोष गुंजायमान हो उठी।

# डॉ. जयरामदास वेदांती ने विश्व शांति की कामना करते हुए मनाया भगवान का जन्मोत्सव

**—भारतीय बस्ती संवाददाता—**

अयोध्या। मर्यादा पुरुषोत्तम श्रीराम के पावन प्राकट्य उत्सव पर अयोध्या स्थित श्री राम आश्रम भक्ति, उल्लास और श्रद्धा के अद्वितीय रंगों में रंग उठा।

राम कोर्ट मोहल्ले में अवस्थित इस प्राचीन आश्रम में रामजन्मोत्सव अत्यंत धूमधाम और भव्यता के साथ संपन्न हुआ, जहाँ मंदिर परिसर श्रद्धालुओं की अपार भीड़ से खचाखच भरा रहा।दिन के पावन क्षण में जैसे ही घड़ी ने बारह का संकेत दिया, सम्पूर्ण वातावरण 'भए प्रगट कृपाला दीन दयाला' के मंगलगान से गूंज उठा।

भक्तों के कंठ से निकले जयघोष और भक्ति—संगीत की स्वर—लहरियाँ पूरे आश्रम को दिव्यता से सराबोर करती रहीं। हर ओर आनंद और आस्था का सजीव समागम दृष्टिगोचर हुआ।यह भव्य आयोजन मंदिर के पीठाधीश्वर महंत डॉ. जयरामदास वेदांती के सानिध्य में सम्पन्न हुआ। उन्होंने श्रद्धालुओं के बीच सैकड़ों किलो टॉफी, खिलौने तथा नकद राशि प्रसादस्वरूप वितरित की। भक्तजन इस प्रसाद को पाकर स्वयं को धन्य मानते हुए इसे अपने घरों और गांवों तक ले जाने के लिए उत्साहित दिखाई दिए। प्रसाद वितरण का यह दृश्य श्रद्धा और आनंद का अद्वितीय प्रतीक बन गया।इस अवसर पर महंत डॉ. जयरामदास वेदांती ने प्रभु से विश्व शांति की कामना करते हुए कहा कि वर्तमान समय में व्याप्त अशांति और युद्ध के वातावरण को समाप्त कर समस्त मानवता को शांति और सद्भाव का मार्ग प्राप्त हो। उन्होंने 'वसुधैव कुटुम्बकम्' की सनातन भावना को रेखांकित करते हुए कहा कि सम्पूर्ण विश्व एक परिवार है और उसकी सुख—समृद्धि में ही मानवता का कल्याण निहित है।उन्होंने देश और प्रदेश के नेतृत्व योगी, मोदी की सराहना करते हुए कहा कि युद्ध के विपरीत परिस्थितियों में भी राष्ट्र का संचालन दृढ़ता और संतुलन के साथ किया जा रहा है, प्रभु श्रीराम से प्रार्थना की कि राष्ट्र के कर्णधारों को आत्मबल प्रदान करें, जिससे देश की सुरक्षा और समृद्धि अक्षुण्ण बनी रहे।

रामजन्मोत्सव के इस पावन अवसर पर अयोध्या पुनः राममय हो उठी, जहाँ प्रत्येक हृदय में भक्ति का आलोक और प्रत्येक अधर पर 'जय श्रीराम' का मंगलगान गूंजता रहा।

# यूपी में साकार हो रही रामराज्य की अवधारणा, सज्जन को संरक्षण और दुर्जन के लिए जीरो टालरेंस –मुख्यमंत्री

**संवाददाता–गोरखपुर।** मुख्यमंत्री योगी आदित्यनाथ ने कहा कि प्रदेश में सुरक्षा के बेहतर माहौल के साथ सरकार रामराज्य की अवधारणा को साकार कर रही है। यहां हर सज्जन शक्ति का संरक्षण है, लेकिन दुर्जन के लिए जीरो टॉलरेंस की नीति अपनाई जाती है। समाज के अंतिम पायदान पर खड़े व्यक्ति के लिए संवेदना है, लेकिन भ्रष्टाचार व भ्रष्टाचारियों के प्रति जीरो टॉलरेंस की नीति है। यूपी में विरासत का सम्मान है और विकास की गारंटी भी। गोरखनाथ मंदिर में शुक्रवार को कन्या पूजन के बाद प्रदेशवासियों को वासंतिक नवरात्रि की नवमी तिथि एवं श्रीरामनवमी की शुभकामनाएं देते हुए सीएम योगी ने कहा कि उत्तर प्रदेश में रामराज्य की अवधारणा से बिना भेदभाव शासन की योजनाओं का लाभ हर व्यक्ति तक पहुंचाया जा रहा है। पिछले 11 वर्ष में प्रधानमंत्री नरेंद्र मोदी के मार्गदर्शन में प्रदेश में 6 करोड़ से अधिक व्यक्तियों को गरीबी रेखा से ऊपर उठाकर उन्हें सम्मानजनक जीवनयापन करने के अवसर प्रदान किए गए हैं।

हर क्षेत्र में विकास के साथ प्रदेश में 2 करोड़ 61 लाख गरीबों को शौचालय, 65 लाख परिवारों को पीएम–सीएम आवास योजना का लाभ मिला है। लगभग 10 करोड़ लोगों को पीएम–सीएम जन आरोग्य योजना में 5 लाख रुपये का स्वास्थ्य बीमा कवर उपलब्ध कराया गया है। 15 करोड़ लोगों को मुफ्त राशन की सुविधा दी गई है।

मुख्यमंत्री ने कहा कि चैत्र शुक्ल नवमी, वासंतिक नवरात्रि की सिद्धि प्रदान करने वाली, सुख–समृद्धि और सर्वत्र खुशहाली प्रदान करने वाली पावन तिथि है। वासंतिक नवरात्रि की नवमी तिथि पर मर्यादा पुरुषोत्तम प्रभु श्रीराम का पावन जन्मोत्सव भी रामनवमी के रूप में मनाया जाता है। प्रभु श्रीराम भारत के सनातन धर्म के प्रतीक केसरिया ध्वज के आरोहण का कार्य भी संपन्न किया था। मुख्यमंत्री ने कहा कि इसी नवरात्रि की प्रतिपदा पर 19 मार्च को माननीय राष्ट्रपति जी अयोध्या आईं और उन्होंने श्री रामजन्मभूमि मंदिर के ऊपरी तल में श्रीराम यंत्र की स्थापना की। अयोध्या में हुए इन कार्यों को देश और दुनिया के हर सनातन धर्मावलंबी ने अपनी आंखों से देखा है और आनंद की अनुभूति भी की है। हर सनातनी अपने जन्म और जीवन को धन्य–धन्य महसूस करता है। कई–कई पीढ़ियां जो कार्य नहीं देख पाईं, वह उन्होंने अपने जीवन में अपनी आंखों से देखा है।

सीएम योगी ने कहा कि सनातन धर्म के सभी व्रत और पर्व हम सबको जीवन में संकल्पित होने और आगे बढ़ने के लिए प्रेरणा प्रदान करते हैं। वासंतिक हो या शारदीय नवरात्रि, यह मातृशक्ति के प्रति सनातन धर्म की श्रद्धा और सम्मान का प्रतीक है। इसी को ध्यान में रखकर प्रदेश में डबल इंजन की सरकार मिशन शक्ति के माध्यम से नारी शक्ति की सुरक्षा, सम्मान और स्वावलंबन के लिए कार्यक्रम संचालित कर रही है।

मातृ वंदना, मुख्यमंत्री कन्या सुमंगला योजना, बेटी बचाओ–बेटी पढ़ाओ जैसे कार्यक्रमों के साथ ही यूपी में उत्तर प्रदेश पुलिस बल में 20 फीसदी महिला आरक्षण की व्यवस्था सुनिश्चित की गई है। उत्तर प्रदेश पुलिस बल में वर्तमान में 44,000 से अधिक महिला पुलिस अधिकारी और कार्मिक सफलतापूर्वक इस अभियान को आगे बढ़ाकर महिला सुरक्षा और स्वावलंबन में योगदान दे रही हैं।

# श्रीराम ने वनवास के द्वारा जगत का कल्याण किया

**–भारतीय बस्ती संवाददाता–**

## –9 दिवसीय संगीतमयी श्रीराम कथा

बस्ती । मनुष्य को उसका कर्म ही सुख या दुःख देता है। सुख दुःख का कारण जो अपने अन्दर खोजे वही सन्त है। जीव को अपने कर्म के कारण जन्म लेना पड़ता है और ईश्वर स्वेच्छा से प्रकट होते हैं। कुसंग तो हर किसी को बिगाड़ देता है। कुसंग के कारण ही कैकेयी की मति भ्रष्ट हो गयी और अपने पति दशरथ का अपमान कर कैकेयी ने श्रीराम के लिये 14 वर्ष का वनवास मांग लिया। ''तापस वेष बिसेषि उदासी। चौदह बरसि रामु वनवासी।। यह सद् विचार कथा व्यास स्वरूपानन्द जी महाराज ने नारायण सेवा संस्थान ट्रस्ट द्वारा आयोजित 9 दिवसीय संगीतमयी श्रीराम कथा दुबौलिया बाजार के राम विवाह मैदान में आठवें दिन व्यक्त किया।

श्रीराम वन गमन, केवट प्रसंग आदि के माध्यम से श्रीराम कथा को विस्तार देते हुये वेदान्ती जी ने कहा कि सभी प्रकार की अनुकूलता होते हुये यदि मन किसी विषय में न जाय वही वैराग्य है। वनवास से जीवन में सुखास आता है। प्रभु श्रीराम ने वनवास कर जगत का कल्याण किया। केवट प्रसंग का वर्णन करते हुये महात्मा जी ने कहा '' जासु नाम सुमिरत एक बारा। उतरहि नर भव सिन्धु अपारा।। '' केवट भाग्यशाली था कि वह प्रभु के दोनों चरणों की सेवा कर सका। वह पूर्व जन्म में क्षीर समुद में कश्यप था और नारायण की सेवा करना चाहता था किन्तु लक्ष्मी जी और शेष जी ने अनुमति नहीं दिया। आज लक्ष्मी जी सीता बनी है और शेष लक्ष्मण। गंगा पार कराने के बाद केवट ने अगूंठी लेने से बार–बार इन्कार किया तो लक्ष्मण जी उसे स्वीकारने के लिये आग्रह करने लगे, केवट ने कहा मैं और राम एक ही जाति के हैं, मैं अपने भाई से दाम कैसे लूं। मैं लोगों को गंगा पार कराता हूं राम चन्द्र जी संसार सिन्धु के केवट है।

श्रीराम महिमा का गान करते हुये महात्मा जी ने कहा कि राम तो परमानन्द स्वरूप है। जो उनका स्मरण करते हैं उन्हें दुख नहीं होता। विभिन्न प्रसंगो के क्रम में महात्मा जी ने कहा कि जीवन में कुछ नियम होने चाहिये। जिसके जीवन में कुछ शुभ संकल्प नही है वह पशु से भी अधम है। श्रीराम का वनवास में जगत के कल्याण का हेतु है। ''जिनके कपट दम्भ नहीं माया। तिनके हृदय बसहु रघुराया।। महात्मा जी ने कहा कि लक्ष्मण वैराग्य है, सीता जी परा भक्ति का स्वरूप हैं, राम परमात्मा है। जब भी संकल्प करो, शुभ ही करो।

श्रीराम कथा के आठवें दिन कथा व्यास का विधि विधान से मुख्य यजमान संजीव सिंह ने पूजन किया। आयोजक बाबूराम सिंह, अनिल सिंह सहयोजक राना दिनेश प्रताप सिंह पूर्व प्रमुख विक्रम सिंह शाखा प्रबंधक हरिश्चंद्र पांडे नंदकिशोर पांडे गणेश तिवारी अजय मिश्रा जी शुक्ल, सुनील सिंह सूर्यवंशी जगदम्बा सिंह सूरज सिंह अनूप सिंह अरुण अजय सिंह लक्ष्य सिंह , जय प्रकाश, नरेन्द्र गुप्ता, सत्यवान सोनी, राम कुमार, रन बहादुर यादव, , गंगासागर पाण्डेय, राजेश सिंह, कृष्णदत्त द्विवेदी, सुनील सिंह, अनूप जसवंत सिंह, सत्यनरायन द्विवेदी, राजेश सिंह, गोरखनाथ सोनी, डा. वी.के. मलिक, महिमा सिंह, विभा सिंह, इन्द्रपरी सिंह, शीला सिंह, सोनू सिंह, हर्षित, वर्धन, साथ ही बड़ी संख्या में क्षेत्रीय नागरिक श्रीराम कथा में उपस्थित रहे।

# योगी को बच्ची ने गिफ्ट में दिया खिलौना वाला बुलडोजर, गदगद हो गए मुख्यमंत्री

**संवाददाता–गोरखपुर।** सीएम योगी आदित्यनाथ के गोरखपुर दौरे के दौरान एक दिलचस्प और भावुक क्षण देखने को मिला। शुक्रवार सुबह गोरखनाथ मंदिर परिसर में भ्रमण के दौरान कानपुर से आई पांच वर्षीय बच्ची यशस्विनी ने मुख्यमंत्री को 'खिलौना बुलडोजर' भेंट किया। यह दृश्य देखकर वहां मौजूद लोग मुस्कुरा उठे, वहीं सीएम योगी भी अपनी हंसी नहीं रोक सके, और गदगद हो गए।

मुख्यमंत्री ने बच्ची को अपने पास बुलाया, उससे बातचीत की और उसके साथ फोटो भी खिंचवाई। उन्होंने बच्ची को मन लगाकर पढ़ाई करने की सलाह दी। इसके बाद सीएम ने स्नेहपूर्वक खिलौना उसे वापस कर दिया। बच्ची खुशी–खुशी वहां से चली गई। इस पूरे घटनाक्रम का वीडियो सोशल मीडिया पर तेजी से वायरल हो रहा है, जिसे मुख्यमंत्री कार्यालय की ओर से भी साझा किया गया है। एक्स पर लिखा है कि यह नन्हा–सा उपहार बड़े विश्वास का प्रतीक है, यह भरोसे की मासूम अभिव्यक्ति है। इससे पहले, राम नवमी के अवसर पर सीएम योगी आदित्यनाथ ने प्रदेशवासियों को शुभकामनाएं दीं। उन्होंने कहा कि भगवान श्रीराम भारतीय संस्कृति और आदर्श जीवन मूल्यों के प्रतीक हैं। राम करुणा, सत्य और मर्यादा के सर्वोच्च उदाहरण हैं, जिनका जीवन समाज को सही दिशा देता है। उन्होंने अपने संदेश में कहा कि राम नवमी का पर्व हमें सत्य, करुणा और सौहार्द को जीवन में अपनाने की प्रेरणा देता है। मुख्यमंत्री ने इसे 'रामत्व' के मूल भाव को समझने और आचरण में उतारने का अवसर बताया।

वहीं सीएम योगी आदित्यनाथ ने गोरखपुर प्रवास के दौरान लगातार दूसरे दिन शुक्रवार सुबह गोरखनाथ मंदिर में आयोजित जनता दर्शन में विभिन्न जिलों से आए लोगों से मुलाकात कर उनकी समस्याएं सुनीं। इस दौरान कमजोर वर्ग के लोगों को कतिपय दबंगों द्वारा डराने, धमकाने की शिकायत पर मुख्यमंत्री योगी आदित्यनाथ ने पुलिस अधिकारियों को दो टूक में निर्देशित किया, 'गुंडागर्दी करने वालों को उठाकर बंद करो।' उन्होंने कहा कि किसी मुकदमे में यदि कोई अभियुक्त जमानत पर छूटने के बाद वादी को धमका रहा हो तो जमानत निरस्त कराने की कार्यवाही की जाए।

# निर्माणाधीन रेगुलेटर में ट्रक पलटा, ड्राइवर–खलासी बाल–बाल बचे

**संवाददाता–गोरखपुर।** तिवारीपुर थाना क्षेत्र के डोमिनगढ़ में शुक्रवार सुबह ट्रैक्टर–ट्रॉली को बचाने के प्रयास में एक ट्रक रेगुलेटर में पलट गया। ड्राइवर और खलासी ने ट्रक से कूदकर अपनी जान बचाई। पुलिस के अनुसार, शुक्रवार सुबह कानपुर से परचून का सामान लेकर ट्रक जीरो प्वाइंट कालेसर के रास्ते डोमिनगढ़ होते हुए साहबगंज जा रहा था। डोमिनगढ़ के पास सामने से ट्रैक्टर–ट्रॉली आ जाने पर ट्रक चालक उसे पास देने के लिए किनारे की ओर चला गया। इस दौरान ट्रक का पिछला हिस्सा नाले के किनारे पहुंच गया, जिससे मिट्टी भसक गई और ट्रक पलट गया।

ट्रक पलटते ही ड्राइवर और खलासी ने कूदकर अपनी जान बचाई। आसपास के लोगों ने घटना देख तुरंत मौके की ओर दौड़ लगाई और गड्ढे में कूदकर दोनों को सुरक्षित बाहर निकाला। दोनों को सही–सलामत देखकर लोगों ने राहत की सांस ली। घटना की सूचना मिलते ही ट्रक पर लदा सामान जिसका था, वह साहबगंज का व्यापारी भी मौके पर पहुंच गया और मिट्टी हटवाकर सामान निकलवाने की व्यवस्था कराई। समाचार लिखे जाने तक ट्रक को खाली किया जा रहा था। खाली होने के बाद ट्रक को रेगुलेटर से बाहर निकालने की व्यवस्था की जाएगी।

# शादी की जिद में पानी की टंकी पर चढ़ी युवती,प्रेमी ने मांग में सिंदूर भरा तब नीचे उतर

**संवाददाता–गोरखपुर।** झंगहा थाना क्षेत्र के राधोपट्टी पडरी गांव में एक युवती अपने प्रेमी से शादी की जिद में पानी की टंकी पर चढ़ गई। काफी प्रयास के बाद भी वह नीचे नहीं उतरी। उसका कहना था कि वह तभी उतरेगी, जब उसकी शादी उसके प्रेमी से कराई जाएगी। इस घटना से पुलिस भी खासी परेशान रही। सूचना पर उसका प्रेमी भी मौके पर पहुंच गया। वह पानी की टंकी पर चढ़ा और युवती की मांग में सिंदूर भरा, जिसके बाद वह नीचे उतरी। करीब तीन घंटे तक चले इस हाई वोल्टेज ड्रामे को देखकर लोग हैरत में थे।

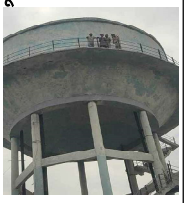

ग्राम पंचायत जंगल रसूलपुर नंबर दो के बंगला टोला निवासी एक हाईस्कूल की छात्रा शुक्रवार सुबह करीब दस बजे राधोपट्टी पडरी स्थित राम–जानकी मंदिर परिसर में बनी पानी की टंकी पर चढ़ गई। उसने प्रेमी से शादी न होने पर आत्महत्या की धमकी दी। सूचना मिलने पर झंगहा थानेदार अनूप सिंह मौके पर पहुंचे और उसे समझाने का प्रयास किया, लेकिन वह अपनी जिद पर अड़ी रही।

पुलिस ने युवती के परिजनों मां बिंदु और भाई को मौके पर बुलाया, लेकिन इसके बावजूद वह नीचे नहीं उतरी। इसके बाद पुलिस ने प्रेमी विजय कौन्नौजिया को मौके पर बुलाया और युवती से मोबाइल पर बात कराई। युवती ने प्रेमी से मांग में सिंदूर भरने की शर्त रखी।

पुलिस की मौजूदगी में प्रेमी और महिला पुलिसकर्मी पानी की टंकी पर पहुंचे, जहां प्रेमी ने युवती की मांग में सिंदूर भरा। इसके बाद वह नीचे उतर आई। इस दौरान युवती कई बार टंकी से कूदने की धमकी देती रही, जिससे पुलिस के हाथ–पांव फूल गए थे। बंगला टोला निवासी युवती और महुअरकोन निवासी विजय कौन्नौजिया, दोनों हाईस्कूल के छात्र हैं और परीक्षा के दौरान ही उनके बीच प्रेम संबंध हुआ था। घटना के बाद पुलिस दोनों को थाने ले गई।

## सूचना

सर्व साधारण को सूचित किया जाता है कि प्रार्थी सुरेशानन्द पुत्र गिरीश चन्द्र ग्राम– बिठलापुर पोस्ट– दिवाकरपुर जनपद बस्ती (उ.प्र.) का निवासी है। मैने अपनी पुत्री सुचिता श्रीवास्तवा का नाम बदलकर अद्विका श्रीवास्तवा कर दिया है। अब उसे अद्विका श्रीवास्तवा के नाम से जाना व पहचाना जाय।

# चैत्र नवरात्रि का समापन, विधिवत पूजा–अर्चना के साथ पर्व संपन्न

**संवाददाता–संतकबीरनगर।** संतकबीरनगर के बेलहर क्षेत्र में चैत्र नवरात्रि का नौ दिवसीय पर्व शुक्रवार को संपन्न हो गया। पर्व का समापन सुबह विधिवत पूजा–अर्चना, हवन और कन्या पूजन के साथ हुआ। इस दौरान क्षेत्र के मंदिरों और घरों में भक्तों की भीड़ देखी गई। नवरात्रि के अंतिम दिन श्रद्धालुओं ने मां दुर्गा की विशेष आराधना की। भक्तों ने हवन–पूजन कर परिवार की सुख–शांति, समृद्धि और खुशहाली की कामना की। कई स्थानों पर कन्या पूजन का आयोजन किया गया, जिसमें छोटी बच्चियों को मां दुर्गा का स्वरूप मानकर उनका पूजन कर भोजन और उपहार दिए गए। मदरहा, राज घाट, डिगेश्वर नाथ, मनैतापुर, कैथवलिया और बेलहर सहित पूरे बेलहर क्षेत्र में नवरात्रि के दौरान भक्तिमय माहौल रहा। मंदिरों में सुबह–शाम आरती, भजन–कीर्तन और धार्मिक कार्यक्रमों का आयोजन हुआ, जिसमें बड़ी संख्या में श्रद्धालुओं ने भाग लिया। अंतिम दिन श्रद्धालुओं में विशेष उत्साह देखा गया और लोगों ने पूरे विधि–विधान से मां दुर्गा को विदाई दी।

ग्रामीणों ने बताया कि नवरात्रि का यह पर्व केवल आस्था का प्रतीक नहीं, बल्कि समाज में सकारात्मक ऊर्जा और एकता का संदेश भी देता है। पर्व के समापन पर लोगों ने मां दुर्गा से भविष्य में सुख, शांति और समृद्धि की प्रार्थना की।

पर्व के दौरान क्षेत्र के विभिन्न मंदिरों में सुरक्षा और व्यवस्थाओं का विशेष ध्यान रखा गया, ताकि श्रद्धालुओं को कोई असुविधा न हो। कुल मिलाकर, पूरे बेलहर क्षेत्र में चैत्र नवरात्रि का समापन भक्ति, उल्लास और श्रद्धा के वातावरण में शांतिपूर्ण ढंग से संपन्न हुआ।

# रामनवमी पर झूमी अयोध्याः साधु–संतों ने की पुष्पवर्षा गूंजे बधाई गीत, लाखों श्रद्धालुओं ने सरयू में लगाई डुबकी

**संवाददाता–अयोध्या।** शुक्रवार को रामनवमी पर श्रद्धालुओं का तांता लगा रहा। सुबह 9 बजे तक करीब 10 श्रद्धालुओं ने सरयू में स्नान कर लिया। भारी भीड़ को देखते हुए सुरक्षा के कड़े इंतजाम किए गए हैं। स्नान के बाद श्रद्धालुओं ने मंदिरों में दर्शन–पूजन किया। इस वर्ष पिछले साल से अधिक श्रद्धालुओं के अयोध्या पहुंचने का अनुमान है। प्रशासन ने पहले से ही पेट्रोल–डीजल की पर्याप्त व्यवस्था सुनिश्चित की है। एडीजी जोन लखनऊ प्रवीण कुमार समेत सभी वरिष्ठ अधिकारी ग्राउंड जीरो पर मौजूद रहे। कमिश्नर राजेश कुमार, डीएम निखिल टीकाराम फुंडे और एसएसपी डॉ. गौरव ग्रोवर लगातार मॉनिटरिंग करते रहे।

उधर, रामलला के जन्म के शुभ अवसर पर भए प्रकट कृपाला दीनदयाला की स्तुति से पूरा वातावरण भक्तिमय हो गया। कनक भवन और हनुमानगढ़ी में श्रद्धालु भक्ति गीतों पर झूमते और नाचते नजर आए। रामभक्तों ने पूरे उत्साह और उल्लास के साथ रामलला का जन्मोत्सव धूमधाम से मनाया गया। इस पावन अवसर पर मौसम ने भी करवट ली। सुबह तक जहां हल्की बारिश और ठंडक के कारण मौसम सख्त बना रहा। रामभक्तों ने पूरे उत्साह और हर्ष के साथ अपने रामलला का जन्मोत्सव मनाया। इस पावन अवसर पर मौसम ने भी करवट बदली। सुबह तक जहां हल्की बारिश और ठंडक के कारण मौसम सख्त बना रहा। भगवान श्रीराम के जन्म होते ही पूरे अयोध्या में भक्ति और उल्लास का वातावरण छा गया। इस दौरान साधु–संतों ने राम पथ से राम जन्मभूमि पथ होते हुए श्रीराम मंदिर की ओर जा रहे श्रद्धालुओं पर पुष्प वर्षा कर उनका स्वागत किया गया।

जगह–जगह संतों द्वारा बधाई गीत गाए गए। इससे माहौल पूरी तरह भक्तिमय हो उठा। श्रद्धालु जय श्रीराम के जयघोष के साथ आगे बढ़ते रहे और इस अद्भुत दृश्य का आनंद लेते नजर आए। मंदिरों में विशेष पूजा–अर्चना और आयोजन भी किए गए।

# रामनवमी पर दुबेहना दुर्गा मंदिर में जवाबी विरहा का हुआ भव्य आयोजन

**–भारतीय बस्ती संवाददाता–**

कुदरहा (बस्ती)। राम नवमी पर्व पर दुबेहना देवी मंदिर पर पूर्व ब्लाक प्रमुख व भाजपा पिछड़ा मोर्चा जिलाध्यक्ष ब्रह्मदेव यादव देव के नेतृत्व में जवाबी विरहा का आयोजन किया गया। जिसमें कलाकारों ने देश शाम तक समा बाधा।

बिरहा कार्यक्रम का शुभारंभ मुख्य अतिथि ब्लाक प्रमुख अनिल दुबे, नगर पंचायत अध्यक्ष प्रतिनिधि बालकृष्ण त्रिपाठी पिंटू दिल्ली विश्वविद्यालय के असिस्टेंट प्रोफेसर डा मंगल देव यादव व महंथ पाल ने मां दुर्गा के प्रतिमा पर माल्यार्पण व दीप प्रज्वलित कर किया। लोगों को संबोधित करते हुए ब्लाक प्रमुख अनिल दुबे ने कहा कि वर्तमान परिवेश में लोकगीत विलुप्त हो रहा है। युवा वर्ग इन सब गीतों से दूरी बना रहे है। लेकिन सभी को लोक गीतो से जुड़ना चाहिये क्योकि यह हम सब की धरोहर है।

भाजपा पिछड़ा मोर्चा जिलाध्यक्ष व पूर्व ब्लाक प्रमुख ब्रह्मदेव यादव देव ने कहा कि पिता स्वर्गीय महात्मा घनश्याम के अथक प्रयास के बाद दुर्गा मंदिर का निर्माण हुआ और वे बिरहा गाने में रुचि रखते थे। उन्हीं के प्रेरणा से प्रत्येक रामनवमी के दिन यहां बिरहा का आयोजन होता है।

आकाशवाणी,दूरदर्शन लखनऊ से रविशंकर देहाती व बिहार से रवीना रंजन का प्रतिस्पर्धी मुकाबला दोनों दलों के बीच शुरू हुआ। भजन, भक्ति, प्रेम व सामाजिक संदेशो से ओत–प्रोत गीतो ने लोगों को भावशविभोर कर दिया। वीररस की प्रस्तुती बेहद रोचक रहा और श्रोता के ताली के गडगडाहट से वाह वाही लूटी। कार्यक्रम के समापन पर सभी कलाकारों को सम्मानित किया गया और पूरे दिन भंडारा से प्रसाद वितरण होता रहा।

कार्यक्रम में महंथ पाल, संजय पांडेय, ओमकार चौधरी, जीत बहादुर, रामभेज यादव, पाचू यादव, अंबिका यादव, भोलू पाल, सचिन कन्नौजिया, रामलालित यादव सहित तमाम लोग मौजूद रहे।

# पेट्रोल पंपों पर भीड़ थमीः प्रशासन की सख्ती के बाद हालात सामान्य

**संवाददाता–अम्बेडकरनगर।** पिछले तीन दिनों से पेट्रोल–डीजल को लेकर बनी अफरा–तफरी अब खत्म हो गई है। प्रशासन की सख्ती और निगरानी के बाद शुक्रवार सुबह से पेट्रोल पंपों पर हालात सामान्य हो गए। अब पंपों पर सामान्य दिनों की तरह ही वाहन चालकों की आवाजाही देखी जा रही है। मंगलवार शाम से अचानक जिले के विभिन्न पेट्रोल पंपों पर भारी भीड़ जमा हो गई थी। लोग डिब्बों और गैलनों में पेट्रोल–डीजल भरवाने लगे थे, जिससे अफरा–तफरी का माहौल बन गया था।

स्थिति बिगड़ती देख जिला प्रशासन तुरंत सक्रिय हुआ। जिलाधिकारी अनुपम शुक्ला ने स्पष्ट किया कि जिले में पेट्रोल और डीजल की कोई कमी नहीं है और पर्याप्त स्टॉक उपलब्ध है। हालांकि, डीएम के आश्वासन के बावजूद अगले दो दिनों तक पेट्रोल पंपों पर भीड़ बनी रही। इसके बाद प्रशासन ने कालाबाजारी रोकने के लिए सख्त कदम उठाए। पेट्रोल पंपों पर राजस्व कर्मियों और पुलिस बल की तैनाती की गई, जिससे स्थिति धीरे–धीरे नियंत्रित हुई।

# एक व्यक्ति की ट्रेन से कटकर मौत

गोरखपुर। तिवारीपुर थाना क्षेत्र के ग्राम डोमिनगढ़ निवासी 50 वर्षीय बिंदु राजभर की शुक्रवार को ट्रेन की चपेट में आने से मौत हो गई। पुलिस ने शव को कब्जे में लेकर पोस्टमार्टम के लिए भेज दिया है। ग्रामीणों के अनुसार, बिंदु राजभर घर पर अकेले रहता था और एक पैर से आंशिक विकलांग था। उसकी पत्नी की पहले ही मृत्यु हो चुकी थी। उसकी एक पुत्री थी, जिसकी शादी हो चुकी है। शुक्रवार को वह रेल ट्रैक की ओर गया था, जहां ट्रेन की चपेट में आने से उसकी मौत हो गई।

## आवश्यक सूचना

सर्व साधारण को सूचित किया जाता है, कि मेरा क्लाइंट आधार हाउसिंग फाइनेंस लि० शाखा अयोध्या ब्रान्च आफिस 05/17/121 प्रथम तल शक्तिनगर कालोनी, देवकाली, स्मार्टबाजार के सामने अयोध्या कि तरफ से सूचित किया जाता है कि सीमा रानी पत्नी विष्णु कुमार, ग्राम – चिलमा परसन, पो०– चिलमा बाजार, गौसपुर बस्ती उ0प्र0–272301 ने एक बैनामा 5460 वर्ग फिट का स्थित गाटा सं०–31, मौजा– देवकी जोत, तप्पा– ऊंजी परगना – नगर पश्चिम, तहसील – हरैया – जनपद– बस्ती जिसकी चौहदी – पूरब में सड़क 12 फिट चौड़ा, पश्चिम में जमीन मुकिर, उत्तर में खेत शिवपूजन, विजयपाल दक्षिण में चकरोड कच्चा रास्ता, इसको बंधक रखने बैंक अथवा संस्था को प्रश्नगत सम्पत्ति में आपत्ति हो तो इस प्रकाशन के 7 दिन के अन्दर आपत्ति हो तो अधोहस्ताहारी के समक्ष प्रस्तुत कर दे अन्यथा यह मान लिया जायेगा कि किसी भी के उपरोक्त संस्था को बंधक रखने में कोई आपत्ति नहीं हैं।

(प्रग्यांशु शुक्ला एडवोकेट)
L.G.F. – 011, निचली भूतल, A1
बिल्डिंग, ब्लाक/ सेक्टर–59, नोएडा
उ0प्र0–201301
मो0–8920298602

दैनिक भारतीय बस्ती
संस्थापक सम्पादक स्व. दिनेश चन्द्र पाण्डेय
स्वत्वाधिकारी, प्रकाशक, मुद्रक प्रदीप चन्द्र पाण्डेय द्वारा दर्पण प्रिन्टिंग प्रेस वि०. नया हाल 1–4 A लोहिया काम्पलेक्स जिला पंचायत भवन गांधीनगर बस्ती (उ.प्र.) से मुद्रित एवं प्रकाशित।

प्रबन्ध सम्पादक–दिनेश सिंह
संयुक्त सम्पादक–प्रदीप चन्द्र पाण्डेय
अयोध्या–फैजाबाद कार्यालय–
चतुर्भुजी मंदिर परिसर लक्ष्मण घाट
अयोध्या–फैजाबाद
लखनऊ कार्यालय–
आशियाना चौराहा, एल.डी.ए. कालोनी, सेक्टर एच, कानपुर रोड लखनऊ।
गोरखपुर कार्यालय–
इलाहीबाग गोरखपुर।
मो0 9336715406, 8400925463
ई.मेल bhartiyabasti@gmail.com
dainikbhartiyabasti@gmail.com